मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, गुरुवार, 14 अगस्त 2025

संवत 2082, भाद्रपद कृष्ण पक्ष 5 मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 341 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ भारत के सभी सह-अस्तित्व का सम्मान है

आह माई गॉड-2 साल पूरे,यामी गौतम ने बताया आज भी..◂◂ 6

झारखण्ड निर्माता, दूरदर्शी, आदिवासी अस्मिता के प्रहरी, सर्वप्रिय एवं हम सबके प्रेरणास्रोत

जन्म- 11 जनवरी 1944 **निधन- 04 अगस्त 2025**

प्रिय देशवासियों,

दिशोम गुरु, आदरणीय शिबू सोरेन जी केवल मेरे पिता ही नहीं थे, बल्कि जल, जंगल और जमीन के प्रहरी, आदिवासी अस्मिता के रक्षक, और देशभर के वंचित, शोषित और गरीब वर्ग की आवाज थे। उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन जनसेवा और संघर्ष को समर्पित किया। चाहे संसद का सदन हो या गांव की चौपाल—उन्होंने हर मंच से अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई और हमारे हक-हकूक की रक्षा की।

उनकी स्मृतियां, उनके आदर्श और उनके संघर्ष की गाथा हमें हमेशा प्रेरणा देती रहेंगी। मैं आप सभी से निवेदन करता हूँ कि हम सब मिलकर उनके अधूरे सपनों को साकार करें और एक न्यायपूर्ण, समानता आधारित एवं सम्मानपूर्ण समाज के निर्माण में अपना योगदान दें। दिशोम गुरुजी की विरासत को हम सहेजेंगे, उनके विचारों को आगे बढ़ाएंगे और उनकी सेवा भावना को जन-जन तक पहुँचाएंगे।

मेरे पिता का जाना व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए अपूरणीय क्षति है, परंतु उनकी आत्मा को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम सभी उनके बताए मार्ग पर चलेंगे।

दिशोम गुरु को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि !

आपका
हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

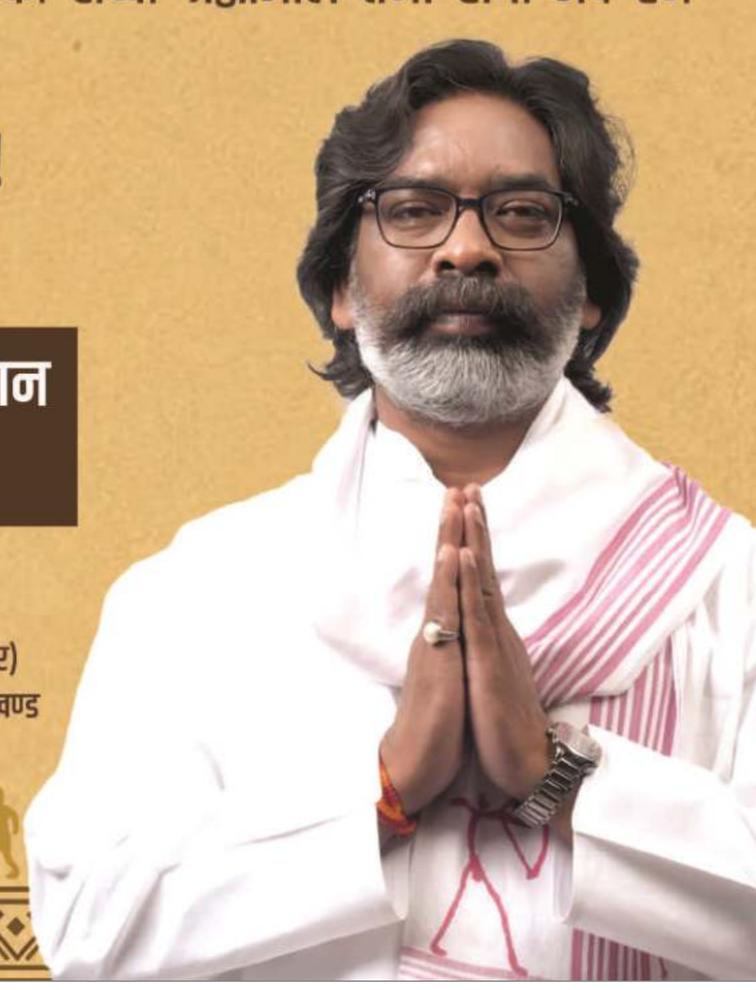

हम, झारखण्ड के वासी, आपके अमूल्य योगदान के लिए हमेशा कृतज्ञ रहेंगे

श्राद्धकर्म

दशकर्म : 15 अगस्त 2025 (शुक्रवार) **संस्कारभोज** : 16 अगस्त 2025 (शनिवार)

कार्यक्रम स्थल :- ग्राम : नेमरा, थाना : बरलंगा, प्रखण्ड : गोला, जिला : रामगढ़, झारखण्ड

झामुमो केंद्रीय समिति

न्यूज ब्रीफ

ऑटोरिक्शा और ट्रक में आमने-सामने टक्कर, एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

रांचीः राजधानी रांची में एक ऑटोरिक्शा और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। हादसे में एक महिला गंभीर रूप से घायल भी हुई है। दुर्घटना बुधवार रात अंगारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत रांची-पुरुलिया मार्ग पर चामघाटी में हुई।

अंगारा थाना प्रभारी हीरालाल साह ने बताया, 'इस घटना में दो महिलाओं सहित एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई और उसे इलाज के लिए रांची के राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में भर्ती कराया गया है।'

ट्रक चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दियाः पुलिस के मुताबिक, ऑटोरिक्शा रांची जा रहा था, तभी मुरी की ओर जा रहे एक ट्रक से उसकी आमने-सामने की टक्कर हो गई। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि ट्रक चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया, जिससे यह घातक टक्कर हुई। पुलिस ने बताया कि टक्कर के कारण ट्रक पलट गया। हालांकि, चालक मौके से फरार हो गया। पीड़ितों की पहचान ऑटो-रिक्शा चला रहे शेख गयासुद्दीन, उनकी मां आयशा खातून, उनकी पत्नी जोराद्दीन और उनके बेटे शेख अमन के रूप में हुई है।

परिवार रांची के कांटाटोली इलाके में रहता था। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने कहा कि आगे की जांच जारी है।

पिता की हत्या करने वाले बेटे और बहू को उम्रकैद, कोर्ट ने लगाया जुर्माना

रांची/पलामू : पलामू जिले में सदर थाना हत्याकांड को लेकर काफी चर्चा थी। इस हत्याकांड मामले में कोर्ट ने फैसला सुनाया है। मिली जानकारी के अनुसार, पलामू जिले के बहुचर्चित सदर थाना हत्याकांड (कांड संख्या-42/2024) में अदालत ने बुधवार को ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश डालटनगंज ने अभियुक्त राजदेव पाल और उनकी पत्नी मंजू देवी को अपने ही पिता स्व। सागर महतो की गला दबाकर हत्या के आरोप में आजीवन कारावास की सजा सुनाई।अदालत ने दोनों पर 25,000-25,000 का जुर्माना भी लगाया। आदेश के अनुसार, जुर्माना नहीं देने पर दोनों को अतिरिक्त एक-एक वर्ष का कठोर कारावास भुगतना होगा। 9 मई 2024 की घटनाः यह घटना बीते 09 मई 2024 को हुई थी। वादी रामदेव पाल (छोटा भाई) ने थाना-सदर में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें आरोप था कि उनके बड़े भाई राजदेव और भाभी मंजू ने मिलकर उनके पिता सागर महतो की गला दबाकर हत्या कर दी। यह घटना कौडिया, तीनकोनिया टोला, थाना-सदर, जिला-पलामू में हुई थी। इस मामले में जांच टीम में पुअनि मनोज कुमार मुण्डा,श्यामजय कुमार सिंह और पलामू जिला और सदर थाना के पुलिस कर्मी शामिल थे। दिनों अपराधी कानून के शिकंजे में हैं और अब उम्र भर जेल में रहेंगे।

प्रधानमंत्री बीमा योजनाओं में नामांकन के लिए शिविर आयोजित

रांचीः जयपुर पंचायत में 13 अगस्त 2025 को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया व आरबीआई के सहयोग से वित्तीय समावेशन संतृप्ति शिविर आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि आरबीआई की उप महाप्रबंधक अनामिका शर्मा व विशिष्ट अतिथि प्रबंधक सन्नी कुमार रहे। शिविर में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में नामांकन और री-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी की गई।

अनामिका शर्मा ने 8-10 साल में एक बार पुनः केवाईसी कराने और सरकारी योजनाओं से जुड़ने के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम में यूनियन बैंक के नीरज अगम, विपिन बिहारी, शिखा सिंह व साख फाउंडेशन के सचिव मनोज सिंह उपस्थित रहे।

जन्माष्टमी के अवसर पर एमएम पब्लिक स्कूल में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता

रांचीः एचएम पब्लिक स्कूल, लोअर चुटिया में जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जिसमें प्री नर्सरी से वर्ग द्वितीय तक के बच्चे उत्साह के साथ राधा- कृष्ण का परिधान पहन कर विद्यालय आये। सर्वप्रथम विद्यालय के प्राचार्य अरविंद कुमार द्वारा कृष्ण भगवान के जीवन से सम्बंधित बालपन के जीवनकाल को विस्तार से बतलाया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में राधा तेरी चुनरी, गोविंदा आला रे आदि गांनो पर सभी बच्चों ने बेहत ही आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया । विद्यालय का वातावरण ऐसा लग रहा था जैसे ब्रज और गोकुल में साक्षात कृष्णा और राधा रासलीला कर रहे हो । विद्यालय का दृश्य काफी मनोरम था । चारों तरफ बांसुरी की धुन सुनाई पड़ रही थी । विजयी प्रतिभागियों को राधा और कृष्ण दो भाग में बांटा गया । प्री नर्सरी से जिया कुमारी- नवयांक भट्टाचार्य प्रथम रहे । आस्था सिंह - अभिजीत कुमार द्वितीय और रिद्धि सिंह एवं पीयूष महली व हर्ष कुमार सिंह तृतीय स्थान पर रहे। नर्सरी आ से प्रथम अलीशा कुमारी - कुमार रवि, द्वितीय अनुकृषि- अखिलेश महतो और तृतीय स्थान पर अनाया राज एवं राघव सिंह रहे। नर्सरी ब में प्रथम आराध्य कुमारी- धर्मेश महतो, द्वितीय ऋषिका कुमारी- दक्ष कुमार और तीसरे स्थान पर समृद्धि कुमारी एवं दिव्यांश बैठा रहे । इसी तरह से प्रेप वन और टू के बच्चों में भी कुछ विजेता बच्चों को चुना गया । जिसे विशेष अवसर पर पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

हत्या या मुठभेड़

सूर्या हांसदा की मौत पर सियासत हुई तेज बाबूलाल मरांडी ने की न्यायिक जांच की मांग

संवाददाता

रांचीः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की झारखंड इकाई के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सूर्य नारायण हांसदा उर्फ सूर्या हांसदा की 'मुठभेड़' में मौत के मामले की किसी मौजूदा न्यायाधीश की निगरानी में जांच कराने की मांग की।

सूर्य हांसदा कई आपराधिक मामलों में वांछित था और कई राजनीतिक दलों के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ चुका था। मरांडी ने सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि लोगों को झूठे मामलों में फंसाना, उन्हें परेशान करने के लिए फर्जी मामले दर्ज करना और लगातार

दबाव बनाना, असहमति जताने वालों के प्रति सरकार का आम रवैया बन गया है। मरांडी ने एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, झारखंड का इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या हो सकता है कि एक जनसरोकारी सूर्या हांसदा मुठभेड़ में नहीं मारा गया बल्कि उसकी हत्या की गयी है। वह भी किसी अपराधी द्वारा नहीं बल्कि वर्दी के भेष में छिपे कुछ कायरों और बुजदिलों द्वारा, जिन्हें डर है कि आदिवासियों की आवाज उनके कान का पर्दा न हिला दे, जिन्हें डर है कि आदिवासी राज्य में आदिवासी अपने हक अधिकार और संसाधन के लिए लड़ना न शुरू कर दें। गोड्डा पुलिस ने हांसदा को रविवार को देवघर से गिरफ्तार किया था।

पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान हांसदा ने हथियारों और अपने साथियों के बारे में जानकारी दी थी। उसके कबूलनामे के आधार पर उसे सोमवार को बोआरीजोर थाना क्षेत्र के एक स्थान पर ले जाया गया। उस समय, उसके साथियों ने पुलिस दल पर गोलीबारी की। हांसदा ने भी हिरासत से भागने की कोशिश की। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की और गोलीबारी के दौरान वह मारा गया। मरांडी ने कहा कि सूर्या हांसदा की पत्नी और मां लगातार पुलिस पर आरोप लगा रही हैं कि जानबूझकर उसकी हत्या की गयी। भाजपा नेता ने कहा कि हांसदा की पत्नी और मां की बस एक ही मांग है कि इस कृत्य की सीबीआई से जांच कराई जाए। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अगर सीबीआई से आपको और आपके अफसरों को ज्यादा ही डर लगता है तो इसकी उच्च न्यायालय के मौजूदा जज की अध्यक्षता में जांच कराएं, सच सबके सामने लाइए क्योंकि पुलिस का यह कृत्य किसी को भी पच नहीं रहा है।

रांची से पुरी के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन जल्द होगी शुरू

इन ट्रेनों का शुरू होगा परिचालन

- रांची से पुरी के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन
- रांची से जयपुर के लिए नई ट्रेन का परिचालन या दूसरी ट्रेन का जयपुर तक विस्तार
- रांची से ऋषिकेश हरिद्वार के लिए सीधी ट्रेन का परिचालन
- रांची से मुरी, सिल्ली, बरकाकाना होते हुए हजारीबाग तक पैसेंजर ट्रेन का परिचालन
- राजधानी रांची से अहमदाबाद के लिए ट्रेन सेवा का परिचालन

संवाददाता

रांचीः रांची से पुरी के लिए जल्द ही एक नयी वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन शुरू होने वाला है। इसके साथ ही रांची से अलग-अलग शहरों के लिए कई नयी ट्रेनें भी जल्द शुरू होगी। केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ के आग्रह पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रांची से कई ट्रेनों के 'परिचालन को लेकर आवश्यक निर्देश दिये हैं।

इसके तहत परिचालन की प्रक्रिया शुरू की गयी है।

20 दिनों के भीतर रेलवे बोर्ड ने लिया संज्ञानः संजय सेठ ने झारखंड में रेल यात्रियों की सुविधाओं को लेकर भी आग्रह किया था। इस पर रेल मंत्री के निर्देश पर रेलवे बोर्ड ने कार्रवाई शुरू की है। उन्होंने बताया कि 24 जुलाई को उनसे मिलकर आग्रह पत्र सौंपा था। रांची से पुरी के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस, रांची से जयपुर के लिए नयी ट्रेन या किसी अन्य ट्रेन का विस्तार, रांची से ऋषिकेश-हरिद्वार के लिए सीधी ट्रेन, रांची से मुरी, सिल्ली, बरकाकाना होते हुए हजारीबाग तक पैसेंजर ट्रेन और रांची से अहमदाबाद के लिए ट्रेन सेवा शुरू करने का आग्रह किया गया था। 20 दिनों के भीतर ही रेलवे बोर्ड ने इस मामले में संज्ञान लेते हुए आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

जन मुद्दों पर संघर्ष को तेज करने के लिए कमर कस चुकी आजसूः सुदेश महतो

संवाददाता

,6

रांचीः झारखंड में आजसू पार्टी के बड़कागांव विधानसभा की समीक्षा बैठक केंद्रीय कार्यालय, रांची में हुई। बैठक में तय हुआ कि 24 अगस्त 2025 को उरीमारी, शनिचरा बाजार में बड़कागांव विधान सभा स्तरीय सम्मेलन सह मिलन समारोह होगा।

जन मुद्दों पर संघर्ष को तेज करने के लिए कमर कस चुकी आजसूः आजसू पार्टी प्रमुख एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड को बदलने के लिए नौजवानों और छात्रों को नए संघर्ष के लिए तैयार रहना होगा। महतो ने कहा कि आजसू ने जिन सपनों और आकांक्षाओं के लिए संघर्ष किया, आज उन्हीं सपनों को आगे बढ़ाने का दायित्व नई पीढ़ी के कंधों पर है। कार्यकर्ता जनता के विश्वास को बनाए रखें। जन मुद्दों पर संघर्ष को तेज करने के लिए आजसू पार्टी कमर कस चुकी है। मांडू विधायक निर्मल महतो ने कहा कि संगठन को गांव गांव तक ले जाने के लिए कार्यकताओं को अपनी भूमिका तय करनी होगी। उन्होंने कहा कि वह स्वयं को विधायक नहीं, बल्कि एक कार्यकर्ता के रूप में ही जनता के बीच प्रस्तुत करते हैं और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर रहते हैं।

बैठक में केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता संजय मेहता, रामगढ़ जिला अध्यक्ष दिलीप दांगी, हजारीबाग जिला अध्यक्ष परमेश्वर महतो समेत अन्य प्रमुख उपस्थित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। बैठक में संदीप कुशवाहा, लीलाधन साव, भोला महतो, अनिल राम, रवि शंकर जायसवाल, पंकज साहा, मोहन महतो, विश्वनाथ महतो, कैलाश महतो, अनिकेत नायक, नागेश्वर तुरी, कामेश्वर महतो, तूलेश्वर राम, गौतम वर्मा, सुरेश महतो, ब्रजेश सिंह, अशोक पाठक, अजय रवि, नित्यानंद कुमार, गंगाधर महतो, छोटू करमाली, उमेश महतो, सुनील यादव, राकेश विश्वकर्मा, वीरेन्द्र झा, संजय कुमार महतो, प्रकाश महतो, टिकेश्वर महतो, कोलेश्वर महतो, जुगेश बेदिया, भुजा बेदिया, बलेश्वर मुंडा, राजेंद्र सिंह, कुलदीप मुंडा, सुदामा बेदिया व अन्य उपस्थित रहे।

नेमरा में मुख्यमंत्री से मिले कांग्रेस और जेएमएम के कई नेता

संवाददाता

नेमरा/रांचीः पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद से ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने पैतृक आवास नेमरा में ही रुके हुए हैं। वहीं, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बीते बुधवार को कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कई वरिष्ठ नेताओं ने मुलाकात की। कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरिष्ठ नेताओं ने शिबू सोरेन को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। नेताओं में मंत्री इरफान अंसारी, दीपिका पाण्डेय, शिल्पी नेहा तिर्की, झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के. राजू, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, विधायक प्रदीप यादव तथा विधायक ममता देवी शामिल थे।

सभी नेताओं ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा शोकाकुल परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति एवं धैर्य प्रदान करने की कामना की।

एक्वा वर्ल्ड में 'इंडिपेंडेंस डे' स्पेशल कार्यक्रम कल

रांचीः एक्वा वर्ल्ड में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त की शाम 4:00 बजे से एक विशेष कार्यक्रम इंडिपेंडेंस डे स्पेशल का आयोजन होगा। इस कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति थीम पर पेंटिंग प्रतियोगिता, गीत गायन प्रतियोगिता, डांस शो, डांस प्रतियोगिता, फैंसी ड्रेस, आदि का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी एक्वा वर्ल्ड के प्रबंधक आनंद कुमार नायक ने दी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने झारखंड कारखाना संशोधन बिल को दी मंजूरी

अब नाइट शिफ्ट में भी महिला श्रमिक कर सकेंगी काम

संवाददाता

रांचीः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने झारखंड कारखाना संशोधन विधेयक को मंजूरी दे दी है। अब इसके अधिनियम बनने से कारखानों में महिला श्रमिक नाइट शिफ्ट में काम कर सकेंगी। झारखंड सरकार ने इस विधेयक को विधानसभा में पारित कराकर राज्यपाल को भेजा था। राज्यपाल ने इसे राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए भेज दिया। इसके बाद अब राष्ट्रपति ने इस पर अपनी स्वीकृति दे दी है। राष्ट्रपति भवन से फाइल आने के बाद राजभवन ने इसे झारखंड सरकार को लौटा दिया है।

राज्य में अभी 1948 का बना कारखाना अधिनियम लागू है। इसमें नाइट शिफ्ट में महिला श्रमिकों के कारखानों में काम करने की व्यवस्था नहीं थी। सरकार ने अब इसमें संशोधन किया है। हालांकि प्रबंधन को इसके लिए महिला श्रमिकों से सहमति लेनी होगी। सुरक्षा की उचित व्यवस्था करनी होगी। इसके बाद महिलाएं शाम सात बजे से सुबह छह बजे तक फैक्ट्रियों, कारखानों और अन्य संस्थानों में काम कर सकेंगी। इसके लिए सुरक्षा, अवकाश, काम के घंटे जैसे शर्तें लागू होंगी। जिन्हें प्रबंधन को राज्य सरकार की निर्धारित शर्तों के अनुसार पूरा करना होगा।

गौरतलब है कि मध्य प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना और तमिलनाडू सहित कई राज्यों में यह व्यवस्था लागू है। लेकिन यहां भी महिलाओं की सहमति के बाद ही रात में काम लिया जाता है। इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य झारखंड राज्य में रोजगार एवं औद्योगिकरण की गति में तीव्रता आयेगी तथा कारखाना प्रबंधनों को अपने उत्पादन के लक्ष्य का निर्धारण कर इसे प्राप्त करने में सुगमता होगी। वहीं दूसरी तरफ महिला एवं पुरुष कामगारों को जीवनयापन के समान अवसर प्रदान होंगे।

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गुमला
(जिला पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवाकार्य शाखा)
रूम-301.302 नया समाहरणालय भवन, चन्दाली, गुमला- 835207
Email ID- sportsgumla@gmail.com

प्रेस विज्ञप्ति

निदेशक, खेलकूद एवं युवाकार्य, निदेशालय, झारखण्ड, राँची के पत्रांक–435 दिनांक– 11.08.2025 के आलोक में गुमला जिलान्तर्गत पूर्व खिलाड़ियों के मासिक पेंशन हेतु आवेदन आमंत्रित किया जाता है जिसकी अंतिम तिथि 14.08.2025 है पूर्व खिलाड़ियों से संबंधित जानकारी एवं अर्हत्ता निम्नलिखित है :–

1. राज्य के मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार प्राप्त खिलाडी, अर्जुन आवार्ड प्राप्त खिलाडी, द्रोणाचार्य आवार्ड प्राप्त खिलाडी, ध्यानचंद आवार्ड प्राप्त खिलाडी, ओलम्पिक गेम्स/पैरालम्पिक गेम्स में पदक विजेता खिलाडी, ओलम्पिक में भाग लेने वाले खिलाडी, कोमनवेल्थ खेल/एशियन गेम्स विश्व कप/विश्व चैम्पियनशिप (दो वर्ष या इससे अधिक के अन्तराल पर आयोजित)/पैरा एशियन गेम्स/सैफ गेम्स/राष्ट्रीय खेल के पदक विजेता /ओलम्पिक गेम्स में शामिल खेल विधाओं में राष्ट्रीय खेल में भाग ले चुके वैसे खिलाडी, जो अब व्यवहारिक तौर पर खेल में नहीं है।
2. झारखण्ड राज्य के स्थायी निवासी हो एवं वह कम से कम 40 (चालीस) वर्ष की आयु का हो, (आयु सीमा में अधिकतम 10 वर्ष तक की छूट दी जा सकती है बशर्त्ते खिलाडी अचानक किसी चोट या शारीरिक विकलांगता या गंभीर बीमारी के द्वारा अक्षम हो गया हो एवं इसके परिणामस्वरूप सक्रिय खेलों से समय से पहले दूर हो गये हो।
3. ऐसे पूर्व खिलाड़ी पेंशन के हकदार नहीं होगें जो भारत सरकार/राज्य सरकार/पी०एस०यू० आदि में स्थायी संविदा अथवा अस्थायी रूप से कार्यरत हो।

PR.NO.359505 District(25-26):D

ह०/– जिला खेल पदाधिकारी, गुमला।

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, गुरुवार, 14 अगस्त 2025

संवत 2082, भाद्रपद कृष्ण पक्ष 5 मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 341 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ भारत के सभी सह-अस्तित्व का सम्मान है

आह माई गॉड-2 साल पूरे,यामी गौतम ने बताया आज भी.. ◀◀ 6

स्मृति शेष : श्राद्ध कर्म के 10वें दिन का विधान मुख्यमंत्री ने किया पूरा

नेमरा: दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पारंपरिक श्राद्ध कर्म के 10वें दिन आज मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अपने परिजनों संग दिवंगत आत्मा की शांति हेतु स्थानीय पारंपरिक विधान पूरा किया। तत्पश्चात परिवार की वरिष्ठ सदस्य दीपमनी सोरेन के साथ श्राद्ध-कार्यक्रम से संबंधित सलाह-मशविरा हुआ।

वीरता को सम्मान

झारखंड के एक आईपीएस अधिकारी और 17 पुलिस पदाधिकारियों को सम्मानित करेंगी राष्ट्रपति

संवाददाता

रांची: झारखंड पुलिस के एक आईपीएस समेत 17 पुलिस अधिकारी और कर्मी को वीरता, राष्ट्रपति और सराहनीय पदक का ऐलान किया है। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर विभिन्न श्रेणियों में इन सभी 17 पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को सम्मानित किया जाएगा। इन संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय के द्वारा गुरुवार को आदेश जारी कर दिया गया है। झारखंड पुलिस के पांच पुलिस अधिकारी और कर्मी को वीरता पदक, एक पुलिसकर्मी को राष्ट्रपति पदक और 11 पुलिसकर्मी को सराहनीय सेवा के लिए पदक से सम्मानित किया गया है।

इन 5 पुलिस पदाधिकारी और कर्मी को मिला वीरता पदक:

● एसआई विनय कुमार ● हेड कॉन्टेबल प्रमोद राय ● कांस्टेबल वेद प्रकाश महतो ● कांस्टेबल रामचंद्र महतो ● कांस्टेबल कृष्णा मुर्मू

इन्हें मिला विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक: ● हवलदार कैलाश कुमार श्रेष्ठा

11 पुलिस पदाधिकारी और कर्मी को मिला सराहनीय सेवा के लिए पदक:

● आईपीएस अनुरंजन किस्पोट्टा ● डीएसपी मनोज कुमार राय ● इंस्पेक्टर असित मोदी ● एसआई दीपक पुंज ● एएसआई महेंद्र महतो ● हवलदार विजय थापा ● कांस्टेबल विदेशी मांझी ● कांस्टेबल अजय कुमार दुबे ● हवलदार रंजीता कुज्जूर ● कांस्टेबल पुष्पा औरैया ● कांस्टेबल दीपक कुमार सिंह

14 अगस्त को देश ने याद की विभाजन की पीड़ा

पीएम मोदी और अमित शाह समेत कई नेताओं ने दी बलदानियों को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली: स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले देशभर में 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई केंद्रीय मंत्रियों ने 1947 में हुए भारत के विभाजन के दौरान जान गंवाने वाले और विस्थापित हुए लाखों लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मना रहा है, और हमारे इतिहास के उस दुखद अध्याय के दौरान अनगिनत लोगों की ओर से झेली गई उथल-पुथल और उनकी पीड़ा को याद कर रहा है। यह दिन उनके साहस का सम्मान करने का भी अवसर है, उन लोगों की अकल्पनीय क्षति को सहने और फिर भी नए सिरे से शुरूआत करने की उनकी क्षमता को नमन करने का दिन है।

पीएम मोदी ने आगे लिखा, प्रभावित लोगों ने अपने जीवन का पुनर्निर्माण किया और असाधारण उपलब्धियां हासिल कीं। यह दिन हमारे देश को एक सूत्र में पिरोने वाले सद्भाव के बंधन को मजबूत करने की हमारी स्थायी जिम्मेदारी की भी याद दिलाता है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इस अवसर पर कांग्रेस पर सीधा निशाना साधते हुए देश के विभाजन को मां भारती के स्वाभिमान को चोट करार दिया। उन्होंने लिखा, विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस, देश के विभाजन और उसकी त्रासदी के शिकार लोगों के दर्द को याद कर संवेदना व्यक्त करने का दिन है। इस दिन कांग्रेस ने देश को टुकड़ों में बांटकर मां भारती के स्वाभिमान को चोट पहुंचाई। विभाजन के कारण हिंसा, शोषण और अत्याचार हुए और करोड़ों लोगों ने विस्थापन झेला। मैं उन सभी लोगों के प्रति मन की गहराई से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। देश विभाजन के इस इतिहास और दर्द को कभी भुला नहीं सकेगा। विभाजन की इस विभीषिका में अपनी जान गँवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने भी इस दिन को याद करते हुए लिखा, 1947 में धर्म के आधार पर हुआ देश का विभाजन भारतीय इतिहास का एक अमानवीय और काला अध्याय है। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर आज उन सभी लोगों का स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जिन्हें देश के विभाजन के समय अपनी ज़िंदगी गंवानी पड़ी। उन्होंने कहा कि यह दर्दनाक इतिहास देश कभी नहीं भुला सकेगा।

विनय चौबे को झारखंड हाईकोर्ट से झटका, निलंबित आईएएस की याचिका कोर्ट ने की खारिज

रांची: शराब घोटाला मामले के आरोपी विनय कुमार चौबे को झारखंड हाई कोर्ट से राहत नहीं मिली है। अदालत ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया है। विनय कुमार चौबे ने अपनी गिरफ्तारी को अवैध बताते हुए झारखंड हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। उनकी ओर से अधिवक्ता अजीत कुमार सिंह और अधिवक्ता देवेश अजमानी ने पक्ष रखा। हाईकोर्ट ने विनय चौबे को बेल देने से इनकार करते हुए उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी है।

उल्लेखनीय है कि एसीबी ने बीते 20 मई को शराब घोटाले से जुड़े मामले में विनय चौबे को पूछताछ के लिए बुलाया था। पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर कर लिया था। फिलहाल विनय चौबे न्यायिक हिरासत में हैं और राज्य सरकार के उन पर लगे गंभीर आरोपों को देखते हुए उन्हें निलंबित कर दिया है। वहीं दूसरी ओर एसीबी ने सरकार से अनुमति मिलने के बाद खासमहल जमीन घोटाला में विनय चौबे के खिलाफ एक और प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

शिखर सम्मेलन से पहले ट्रंप की पुतिन को धमकी यूक्रेन युद्ध न रोका तो होंगे गंभीर परिणाम

वाशिंगटन: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि अलास्का में शुक्रवार को होने वाली वार्ता में यदि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन युद्ध रोकने पर सहमत नहीं हुए तो उन्हें इसके बहुत गंभीर परिणाम" भुगतने पड़ेंगे। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि ट्रंप ने यूरोपीय देशों के नेताओं के साथ बुधवार को हुई ऑनलाइन बैठक में बहुत स्पष्ट" रूप से कहा है कि अमेरिका अलास्का में आगामी अमेरिका-रूस शिखर सम्मेलन में संघर्ष विराम समझौता चाहता है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने समूह को बताया है कि पुतिन ट्रंप के साथ होने वाली बैठक से पहले गुमराह" कर रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा कि पुतिन यूक्रेनी मोर्चे के सभी क्षेत्रों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं" ताकि यह दिखाया जा सके कि रूस पूरे यूक्रेन पर कब्जा करने में सक्षम है।" उन्होंने कहा, पुतिन प्रतिबंधों के बारे में भी गुमराह रहे हैं, ऐसा लग रहा है, जैसे उनके लिए इनका (प्रतिबंधों) कोई मतलब ही नहीं है और न ही इनका उन पर (रूस पर) कुछ असर पड़ने वाला है। जबकि हकीकत तो यह है कि प्रतिबंध बहुत मददगार हैं और यह रूस की अर्थव्यवस्था पर भारी असर डाल रहे हैं, जिससे वह युद्ध में कमजोर पड़ सकता है।"

घुटने भर पानी में घुसकर स्कूल जा रहे हैं बच्चे वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल

रांची: स्वतंत्रता के 79 साल और झारखंड के अलग राज्य बनने के बाद भी देश के कई इलाकों में मूलभूत सुविधाओं का घोर अभाव देखने को मिलता है। विकास से कोसो दूर झारखंड के सिमडेगा जिले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियो में दिख रहा है कि घुटने भर पानी में घुसकर छात्र स्कूल जाने को मजबूर हैं। एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें छोटे-छोटे बच्चे घुटने भर से अधिक तेज बहाव वाले पानी में घुसकर स्कूल जाते नजर आ रहे हैं।यह वायरल वीडियो झारखंड के सिमडेगा जिले के गेनमेर टोंगरी टोली गांव का है। इस गांव में बारिश शुरू होते ही ग्रामीणों पर आफत टूट पड़ता है। इस गांव में हर साल की यही कहानी है। बच्चे से लेकर बुजुर्ग हर कोई अपनी जाम जोखिम में डालने को मजबूर है। इस जिले में दो विधानसभा सीट है और दोनों सीटों पर पिछले दो चुनाव से कांग्रेस पार्टी का कब्जा है।

सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों से जुड़े मामले पर फैसला सुरक्षित रखा

स्थिति गंभीर,गहराई से बहस करना जरूरी: सिब्बल

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने सड़कों से आवारा कुत्तों को हटाने के 11 अगस्त के आदेश पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस मामले की सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि याचिका दायर करने वाले हर व्यक्ति को इस मुद्दे की जिम्मेदारी लेनी होगी। कोर्ट ने टिप्पणी की कि यह समस्या स्थानीय अधिकारियों की लापरवाही और निष्क्रियता के कारण बढ़ी है और नियमों का पालन न करने के कारण हालात इतने गंभीर हो गए हैं।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की तीन सदस्यीय पीठ ने गुरुवार को मामले की सुनवाई की। दिल्ली सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि देश में हर साल कुत्तों के काटने के 37 लाख से ज्यादा मामले दर्ज किए जाते हैं और यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि बच्चे मर रहे हैं। इस मुद्दे को हल करने की जरूरत है, न कि विवाद का विषय बनाने की। कोई भी जानवरों से नफरत नहीं करता।

दूसरी ओर, आवारा कुत्तों की देखभाल करने वाले एक गैर-सरकारी संगठन की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि स्थिति बेहद गंभीर है और इस पर गहराई से बहस की आवश्यकता है। उन्होंने 11 अगस्त को जारी आदेश पर रोक लगाने की मांग की, जिसमें दिल्ली-एनसीआर के अधिकारियों को आवारा कुत्तों को सड़कों से उठाकर आश्रय स्थलों में ले जाने के निर्देश दिए गए थे।

इससे पहले 11 अगस्त को जस्टिस जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की दो सदस्यीय पीठ ने निर्देश दिया था कि दिल्ली-एनसीआर के सभी इलाकों से आवारा कुत्तों को उठाकर तुरंत आश्रय स्थलों में स्थानांतरित किया जाए। कोर्ट ने यह भी कहा था कि आठ सप्ताह के भीतर आवश्यक बुनियादी ढांचे की रिपोर्ट पेश की जाए, और जब तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, आवारा कुत्तों को सड़कों, कॉलोनियों या सार्वजनिक स्थानों पर नहीं छोड़ा जाएगा।

यह निर्देश 28 जुलाई को शुरू हुए एक स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई के दौरान जारी किए गए थे, जिसमें राजधानी में विशेष रूप से बच्चों को रेबीज होने और कुत्तों के काटने की बढ़ती घटनाओं को लेकर चिंता जताई गई थी। अब कोर्ट इस मुद्दे पर जल्द ही अपना अंतिम फैसला सुनाएगा, जिससे यह तय होगा कि 11 अगस्त का आदेश लागू रहेगा या उस पर अस्थायी रोक लगाई जाएगी।

स्वतंत्रता दिवस समारोह कल

मोरहाबादी मैदान में राज्यपाल करेंगे झंडोत्तोलन, परेड का हुआ फुल ड्रेस रिहर्सल

रांची: स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम का मुख्य आयोजन कल मोरहाबादी मैदान में होगा। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रांची में राज्यपाल झंडोत्तोलन करेंगे। सुबह 9 बजे झंडोत्तोलन होगा। इसके बाद जवानों द्वारा परेड प्रस्तुत किया जाएगा और सलामी दी जाएगी। इसे देखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये गये हैं।

सुविचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता.

अस्पतालों का मोहभंग

यह सरकार द्वारा वित्त पोषित, दुनिया के सबसे बड़े स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम के लिये एक बड़ा झटका है कि हरियाणा के छह सौ से अधिक निजी अस्पतालों के मालिकों ने इस योजना से किनारा करने का मन बनाया है। निश्चित रूप से इतनी बड़ी संख्या में निजी अस्पतालों का मोहभंग होना सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के लिये चिंता की बात ही कही जा सकती है। अस्पतालों की दलील है कि उन्हें पांच सौ करोड़ रुपये से अधिक बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया है। निश्चय ही राजग सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के क्रियान्वयन में प्रशासनिक खामियां ही उजागर हुई हैं। उल्लेखनीय है कि इस योजना में गंभीर रोगों का उपचार कराने वाले लोगों के प्रत्येक परिवार के लिये पांच लाख रुपये तक के कैशलेस उपचार का वायदा किया गया था। लेकिन अकसर निजी अस्पतालों की ओर से आरोप लगाया जाता रहा है कि इस योजना के तहत उपचार कराने वाले मरीजों के बिल का भुगतान कभी समय पर नहीं किया जाता है। निश्चय ही कोई योजना तब तक प्रभावी नहीं कही जा सकती, जब तक वह केवल कागजों तक ही सीमित रहती है। निस्संदेह, ऐसी स्थिति में आयुष्मान कार्डधारकों को दी जाने वाली चिकित्सा सेवाएं बंद हो जाएंगी। इस स्थिति में उन मरीजों की मुश्किलें बढ़ जाएंगी, जो गरीबी के चलते महंगे इलाज करने में सक्षम नहीं होते। ऐसे में उन्हें अपना या अपने परिजनों का कारगर इलाज करने में लंबे विलंब का सामना करना पड़ेगा। जाहिर बात है कि आयुष्मान योजना का लाभ न मिलने से मरीजों को मजबूरी में संसाधन विहीन सरकारी अस्पतालों की शरण में जाना पड़ सकता है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि सरकारी अस्पताल पहले ही मरीजों के भारी दबाव को झेल रहे हैं और कई अस्पतालों में पर्याप्त व विशेषज्ञ चिकित्सकों का नितांत अभाव है। वहीं तमाम सरकारी अस्पतालों में उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधाओं की कमी अकसर बनी रहती है। वैसे सरकार की कल्याणकारी मंशा पर संदेह नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन समय पर योजना के लिये धन उपलब्ध न करा पाने की स्थिति निराशाजनक और नुकसान पहुंचाने वाली साबित हो सकती है। निस्संदेह, जानलेवा बीमारियों से जूझ रहे मरीज नौकरशाही की अड़चनों के कम होने का इंतजार नहीं कर सकते। साथ ही गरीबी से जूझ रहे रोगी निजी अस्पतालों में उपचार नहीं करा सकते क्योंकि अधिक परिचालन लागत वाले अस्पताल बिना भुगतान के सेवाएं देने में असमर्थ हैं। निस्संदेह, यह संकट एक व्यापक मुद्दे की ओर इशारा करता है कि जन कल्याणकारी योजनाओं को बनाते वक्त सावधानी, व्यावहारिक बजट और उसका कुशलतापूर्वक क्रियान्वयन करना जरूरी है। ऐसे में समय पर धन आवंटन, नियमित ऑडिट और अस्पतालों व मरीजों के लिये एक शिकायत निवारण प्रणाली सुनिश्चित करने के लिये मजबूत तंत्र बनाया जाना चाहिए। इसके लिये सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं के लिये अपने बजट में वृद्धि करनी चाहिए। यदि जीडीपी का सिर्फ दो फीसदी स्वास्थ्य क्षेत्र पर खर्च किया जाता रहा तो महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य योजनाएं हकीकत में लड़खड़ाती रहेंगी।

किसान हित पहले

देश को धीरे-धीरे समझ आने लगा है कि भारतीय कृषि व डेरी क्षेत्र में अमेरिकी उत्पाद खपाने के लिये ही डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ आंतक फैला रहे हैं। यही वजह है कि पहले संयम दिखाने के बाद भारत ने निरंकुश ट्रंप सरकार को चेता दिया है कि भारतीय किसानों व दुग्ध उत्पादकों के हितों की बलि नहीं दी जा सकती। हमारे लिये यह देश की एक बड़ी कृषि व डेरी उद्योग से जुड़ी आबादी के जीवन-यापन का भी प्रश्न है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप द्वारा अतार्किक टैरिफ बढ़ाने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने देश के किसानों को आश्वस्त किया है कि उनके हितों से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा। भारत में हरित क्रांति के सूत्रधार,प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन की जन्म शताब्दी के मौके पर उनका यह बयान और महत्वपूर्ण व प्रासंगिक हो जाता है। कृतज्ञ राष्ट्र स्वीकार करता है कि स्वामीनाथन के हरित क्रांति में योगदान से भारत खाद्यान्न की कमी से उबरकर आज खाद्यान्न अधिशेष वाला राष्ट्र बन गया है। बहरहाल, यह तय हो गया है कि भारत वाशिंगटन के उन मंसूबों पर पानी फेरने के लिये खड़ा हो गया है, जिनके तहत अमेरिका मक्का, सोयाबीन, सेब, बादाम और इथेनॉल जैसे उत्पादों से कम टैरिफ के साथ भारत के बाजार को पाटना चाहता है। निस्संदेह, भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले तीन प्रमुख क्षेत्रों कृषि, डेरी फार्मिंग और मत्स्य पालन से जुड़े करोड़ों लोगों की अजीविका की रक्षा करने के लिये प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता सराहनीय है। हालांकि, इस दृढ़ संकल्प की परीक्षा ट्रंप शासन द्वारा ली जाएगी। जो भारत द्वारा रूस से सस्ती दरों पर कच्चा तेल खरीदने के मुद्दे को लेकर लगातार दबाव बना रहा है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि भारतीय राजनीति में किसान उत्पादक व उपभोक्ता से इतर बड़ा राजनीतिक घटक भी है। ऐसे में जाहिर है कि प्रधानमंत्री मोदी कृषक समुदाय को किसी भी कीमत पर नाराज नहीं करना चाहेंगे। इसमें दो राय नहीं कि विगत में भी किसान असंतोष को राजनीतिक हथियार बनाने में विपक्ष ने कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी थी। खासकर केंद्र सरकार ने तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ वर्ष 2020-21 में दिल्ली की सीमाओं पर साल भर चले किसान आंदोलन से कड़वा सबक सीखा है। किसान लंबे समय तक अपनी मांगों को लेकर डटे रहे थे। जिसके बाद अंततः इन विवादास्पद कानूनों को निरस्त कर दिया गया था। इस बीच आंदोलन में किसानों ने अपने अनेक साथियों को खोया था। दरअसल, आंदोलनकारी किसानों की एक मुख्य मांग- विभिन्न कृषि उत्पादों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी गारंटी देने की थी। कृषि संगठनों के साथ लंबी चली कई दौर की बातचीत के बावजूद एमएसपी मुद्दे पर गतिरोध कायम है। आज अमेरिकी दबाव का सामना करने के लिये विभिन्न हितधारकों को एकजुट होने की आवश्यकता है। बहरहाल, अमेरिका के खतरनाक मंसूबे अब उजागर होने लगे हैं। वह भारत के बाजार को अपने डेरी उत्पादों के लिये डंपिंग ग्राउंड बनाने पर आमादा है। निस्संदेह, डोनाल्ड ट्रंप के हमले का सामना करने के लिये भारतीय कृषि बाजार को अधिक लचीला और लाभदायक बनाने की जरूरत महसूस की जा रही है। वहीं दूसरी ओर भारतीय किसानों पर बढ़ता भारी कर्ज भी एक चिंताजनक स्थिति है। खासकर देश की खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले राज्य पंजाब और हरियाणा में। साथ ही केंद्र सरकार को किसानों की आय बढ़ाने वाले उपायों पर ध्यान देने की सख्त जरूरत है। सही मायनों में भारतीय कृषि में उन आमूल-चूल परिवर्तनों की आवश्यकता है जो न केवल किसान की आय बढ़ाएं बल्कि कृषि उत्पादों को विश्व बाजार की चुनौतियों से मुकाबला करने में भी सक्षम बनायें। एक सौ चालीस करोड़ आबादी वाला देश भारत दुनिया में सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश है। इस आबादी की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना भी देश की प्राथमिकता होनी चाहिए। ऐसे में हरित क्रांति के जनक एम.एस. स्वामीनाथन को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम हर हालात में मेहनतकश अन्नदाता को पूरे दिल से समर्थन दें।

भारत में सभी के सह-अस्तित्व का सम्मान है

भारत की मिट्टी में बसे अनगिनत किस्से, लोककथाएँ और परंपराएँ इस संतुलन के साक्षी रहे हैं। भारत की धरती पर जब सुबह का सूरज जंगलों की हरियाली को सुनहरे रंग में रंग देता है, तब दूर पहाड़ियों से आती एक धीमी-सी आवाज कानों में पड़ती है, जो धीरे-धीरे गूंज में बदल जाती है; यह आवाज है हाथियों के झुंड की, जो अपने पारंपरिक रास्तों से होकर नदी किनारे की ओर बढ़ रहा होता है। यह दृश्य सदियों से भारतीय परिदृश्य का हिस्सा रहा है।

डॉ. निवेदिता शर्मा

धरती पर जीवन का सौंदर्य तभी पूर्ण होता है जब मनुष्य और वन्यजीव एक-दूसरे के साथ संतुलन में रहें। भारत की मिट्टी में बसे अनगिनत किस्से, लोककथाएँ और परंपराएँ इस संतुलन के साक्षी रहे हैं। भारत की धरती पर जब सुबह का सूरज जंगलों की हरियाली को सुनहरे रंग में रंग देता है, तब दूर पहाड़ियों से आती एक धीमी-सी आवाज कानों में पड़ती है, जो धीरे-धीरे गूंज में बदल जाती है; यह आवाज है हाथियों के झुंड की, जो अपने पारंपरिक रास्तों से होकर नदी किनारे की ओर बढ़ रहा होता है। यह दृश्य सदियों से भारतीय परिदृश्य का हिस्सा रहा है। हाथी केवल एक जीव नहीं, बल्कि हमारे देश की संस्कृति, आस्था, लोककथाओं और पारिस्थितिक संतुलन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। भारत में हाथी का स्थान केवल जंगल तक सीमित नहीं है; वह मंदिर के आंगन में पूजनीय है। गणेश जी, जिन्हें विघ्नहर्ता कहा जाता है, का स्वरूप हाथी के सिर से है। दक्षिण भारत के मंदिरों में हाथियों को पवित्र माना जाता है और कई बार उन्हें विशेष पूजा और अनुष्ठानों में शामिल किया जाता है। केरल के प्रसिद्ध त्रिशूर पूरम में सजे-धजे हाथियों की शोभायात्रा केवल एक दृश्य नहीं, बल्कि सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है। राजस्थान और उत्तर प्रदेश में भी ऐतिहासिक रूप से हाथियों का उपयोग युद्ध और राजसी शोभायात्राओं में किया गया। महाभारत और रामायण जैसे महाकाव्यों में हाथियों का उल्लेख युद्ध के मैदानों से लेकर राजमहलों तक मिलता है। इसी महत्व और संबंध को स्मरण करने के लिए हर वर्ष 12 अगस्त को ्रविश्व हाथी दिवस्र मनाया जाता है। इस वर्ष यह दिवस तमिलनाडु के कोयंबटूर में, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और तमिलनाडु वन विभाग के संयुक्त प्रयासों से विशेष रूप से आयोजित हो रहा है।

कोयंबटूर का चयन केवल भौगोलिक संयोग नहीं, बल्कि प्रतीकात्मक महत्व रखता है। यह क्षेत्र तमिलनाडु के उन इलाकों में से एक है जहां हाथियों की संख्या उल्लेखनीय है और जहां राज्य ने लंबे समय से मानव-हाथी संघर्ष को कम करने के लिए व्यापक प्रयास किए हैं। यहां के जंगल, पहाड़ियां और नदियां सदियों से हाथियों के प्रवास पथ का हिस्सा रहे हैं। इस वर्ष के आयोजन का उद्घाटन केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव करेंगे, उनके साथ केंद्रीय राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह और तमिलनाडु सरकार के वन एवं खादी मंत्री थिरु आरएस राजकन्नप्पन भी मौजूद रहेंगे। यह कार्यक्रम केवल एक मंच नहीं, बल्कि एक ऐसा अवसर है जहां नीति-निमार्ता, वैज्ञानिक, वन अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और आम लोग एक साथ बैठकर चर्चा करेंगे कि कैसे हम अपने राष्ट्रीय विरासत पशु को सुरक्षित रख सकते हैं। हाथी केवल भारत का नहीं, बल्कि पूरे एशिया का साझा धरोहर हैं। नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्यांमार और थाईलैंड तक फैला उनका ऐतिहासिक आवास हमें याद दिलाता है कि संरक्षण की जिम्मेदारी सीमाओं से परे जाती है लेकिन भारत में यह जिम्मेदारी खास है, क्योंकि यहां उनकी आबादी सबसे ज्यादा है। इस जिम्मेदारी का निर्वहन केवल सरकारी प्रयासों से नहीं होगा। इसमें आम लोगों की भागीदारी अनिवार्य है। यही कारण है कि इस आयोजन के हिस्से के रूप में 5,000 स्कूलों के 12 लाख बच्चों को शामिल करते हुए एक राष्ट्रीय जागरूकता कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। यह भविष्य में बदलाव की नींव रखेगा, क्योंकि जो बच्चे आज हाथियों के महत्व को समझेंगे, वे बड़े होकर उनके संरक्षण के सबसे बड़े समर्थक बनेंगे।

वास्तव में भारत को दुनिया भर में हाथियों के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह के रूप में देखा जाता है। यह गर्व का विषय है कि दुनिया के लगभग 60 प्रतिशत जंगली हाथी हमारे देश की धरती पर विचरण करते हैं। यहां 33 हाथी अभयारण्य और 150 चिन्हित हाथी गलियारे हैं, जो उनके लिए जीवन रेखा का काम करते हैं। राष्ट्रीय विरासत पशु का दर्जा प्राप्त हाथी हमारे धार्मिक अनुष्ठानों से लेकर लोकगीतों तक और किसानों की फसलों से लेकर जंगल के पर्यावरणीय संतुलन तक, हर जगह अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है।

तमिलनाडु की पहाड़ियों और पश्चिमी घाट के जंगलों में हाथियों के लंबे प्रवास पथ हैं। इन्हें ₹हाथी गलियारे₹ कहा जाता है। ये गलियारे हाथियों के लिए वैसे ही हैं जैसे मनुष्यों के लिए सड़कें और रेलमार्ग, इनके बिना उनका आवागमन और जीवन संभव नहीं। लेकिन विकास की रफ्तार ने इन गलियारों को खंडित कर दिया है। जंगलों को काटकर बनाई गई सड़कें, रेल लाइनें, खनन क्षेत्र और शहरी विस्तार ने हाथियों के पारंपरिक रास्तों को रोक दिया है। जब ये रास्ते अवरुद्ध होते हैं, तो हाथी अनजाने में मानव बस्तियों में प्रवेश कर जाते हैं। यहां उनका सामना उन खेतों और घरों से होता है जो कभी उनके रास्ते में नहीं थे। नतीजा यह होता है कि फसलें बर्बाद होती हैं, संपत्ति को नुकसान पहुंचता है और कभी-कभी जान-माल का भारी नुकसान होता है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में हर साल लगभग 500 मनुष्य और 100 से ज्यादा हाथी मानव-हाथी संघर्ष में मारे जाते हैं। फिर भी कहना होगा कि भारत की प्रगति और हाथियों के संरक्षण को साथ लेकर चलना कठिन जरूर है, लेकिन असंभव नहीं। प्रोजेक्ट एलीफेंट, जिसे भारत सरकार ने 1992 में शुरू किया था, आज भी हाथियों के संरक्षण की सबसे बड़ी पहल है। इसका उद्देश्य केवल हाथियों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि उनके प्राकृतिक आवास की रक्षा करना और मानव-हाथी संघर्ष को कम करना भी है। यह परियोजना इस सिद्धांत पर आधारित है कि संरक्षण तभी सफल होगा जब स्थानीय लोग इसे अपना मानें। इसके लिए कई राज्यों में सामुदायिक भागीदारी के कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, जिनमें गांव वालों को प्रशिक्षित किया जाता है कि वे हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखें, समय पर सूचित करें और संघर्ष से बचें। हाथियों के संरक्षण में तकनीक की भूमिका भी तेजी से बढ़ रही है। ड्रोन के जरिए हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखना, जीपीएस कॉलर लगाकर उनके प्रवास मार्ग को ट्रैक करना, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित चेतावनी प्रणालियों का उपयोग करना, ये सभी आधुनिक तरीके हैं, जो कई राज्यों में सफल हो रहे हैं, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि तकनीक के साथ-साथ पारंपरिक ज्ञान को भी महत्व देना जरूरी है। गांव के बुजुर्ग अक्सर मौसम, पौधों और पशुओं के व्यवहार के आधार पर हाथियों के आने-जाने का अनुमान लगा लेते हैं। इस सब के बीच आज फिर विश्व हाथी दिवस हमें हर साल की तरह यह याद दिला रहा है कि धरती केवल मनुष्यों की नहीं है। यह उन प्राणियों की भी है जो हमसे पहले यहां थे और शायद हमारे बाद भी रहेंगे, अगर हम उन्हें रहने देंगे। अब तक के प्राकृतिक सफर में हाथियों का संरक्षण हमारी सभ्यता की संवेदनशीलता और संतुलन का प्रमाण है। आगे भी इनका असतित्व बना रहे, इसलिए आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ा उपहार यही होगा कि जंगल के इस सबसे बड़े पशु के साथ हम अपना दोस्ताना व्यवहार बनाए रखें, तभी वे भविष्य में भी जंगल में हाथियों के झुंड को देख पाएंगे, उनकी गर्जना सुन सकेंगे और यह महसूस कर सकेंगे कि मनुष्य और प्रकृति का साथ ही जीवन का सबसे सुंदर रूप है।

(लेखिका, जैव विविधता विषय की अध्?येता एवं सामाजिक कार्यकर्ता हैं)

यौन संबंध : प्रश्न सिर्फ नैतिकता का नहीं, कानूनी और सामाजिक चिंता का भी है

वॉशिंगटन पोस्ट द्वारा उजागर अमेरिकी प्रशासन के आंतरिक दस्तावेज बताते हैं कि ट्रंप ने टैरिफ को स्विस आर्मी नाइफ की तरह इस्तेमाल किया है, जो एक ऐसा बहुउद्देशीय औजार है जिससे एक साथ कई काम किए जा सकते हैं। यह बदलाव केवल आर्थिक नीति का मामला नहीं, निश्चित ही वैश्विक कूटनीति, सामरिक समीकरण और यहां तक कि वर्तमान दौर में यह निजी व्यावसायिक हितों के लिए आर्थिक हथियार के प्रयोग का उदाहरण बन गया है।

डॉ. अजय खेमरिया

सुप्रीम कोर्ट में निपुण सक्सेना बनाम संघ के विचाराधीन मामले की सुनवाई चल रही है। देश की पूर्व एडिशनल सॉलिसिटर जनरल और न्याय मित्र इंदिरा जय सिंह ने कोर्ट के सामने दलील दी है कि सहमति से यौन रिश्तों की आयु सीमा लड़कियों के लिए 18 से घटाकर 16 कर दी जानी चाहिए। इससे पहले पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ भी सार्वजनिक रूप से ऐसा ही आग्रह केंद्र सरकार से कर चुके हैं। मेघालय, मद्रास, बॉम्बे, कर्नाटक और मप्र समेत अन्य हाईकोर्ट भी इसी लाइन पर केंद्र सरकार से पाक्सो कानून में बदलाव के लिए कहते रहे हैं। यूनिसेफ इंडिया ने कुछ समय पूर्व एक ऐसी ही रिपोर्ट में दावा किया था कि देश में पाक्सो कानून युवाओं को अपराधी बना रहा है। हालांकि, बाद में इस रिपोर्ट को वापस ले लिया गया। अभी देश में पाक्सो अधिनियम लागू है जिसके तहत सहमति से यौन रिश्तों के लिए 18 साल की आयु निर्धारित है। इससे कम के सभी मामले अपराध की श्रेणी में गिने जाते हैं। केंद्र सरकार ने अपने हलफनामे में स्पष्ट रूप से इस बात को दोहराया है कि सहमति से यौन रिश्तों की आयु सीमा घटाने का उसका कोई विचार नहीं है और अदालतों को इस मामले में हस्तक्षेप से बचना चाहिए। जाहिर है मौजूदा सरकार आंदोलनजीवी एनजीओ और इनसे जुड़े कानूनविदों के दबाब में कोई निर्णय नहीं करने जा रही है। असल में पाक्सो कानून 2012 में निर्भया कांड के बाद अस्तित्व में आया है और इसका उद्देश्य नाबालिगों को यौन शोषण से बचाना है। दूसरी तरफ सुप्रीम कोर्ट यह सुनिश्चित करने की लगातार कोशिश कर रहा है कि युवाओं को पाक्सो कानून के तहत यौन रिश्तों के लिए जेल नहीं जाना पड़े। इसके लिए युवा मन के रोमांटिक रिलेशनशिप को आधार बनाया जा रहा है। पिछले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट में एमिकस क्यूरी इंदिरा जय सिंह ने कहा कि यौन स्वायत्तता मानव गरिमा का हिस्सा है और किशोरों को अपने शरीर के बारे में विकल्प चुनने की क्षमता से वंचित करना संविधान के अनुच्छेद 14,15,19 एवं 21 का उल्लंघन है। उन्होंने पिछले तीन साल में पाक्सो केसों में 180 प्रतिशत के उछाल और दोषसिद्धि की घटती दर का हवाला देकर आयु सीमा घटाने की मांग की। ध्यान देने वाली बात यह है कि एक तरफ सरकार लड़कियों के विवाह की आयु 18 से बढ़ाकर 21 करने पर विचार कर रही है क्योंकि बाल विवाह निषिद्ध कानून के प्रभावी होने के बावजूद देश में इनकी संख्या कम नहीं हो रही है। जाहिर है केवल कानून से समाज में बुराइयों का खात्मा नहीं हो जाता है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े बताते हैं कि देश में नाबालिग बेटियों के साथ यौन अपराध करने वाले 50 फीसदी उनके आसपास के कुटुम्बीजन या पहचान वाले ही होते हैं। ऐसे में अगर सहमति से यौन संबंधों की आयु घटा दी जाती है तो पारिवारिक-सामाजिक दबाब में शिकायतों की संख्या नगण्य ही रह जायेगी। सच्चाई यह है कि सहमति की आड़ में वयस्क आदमी नाबालिग लड़कियों से व्यभिचार करेंगे और इस कथित सहमति के संबंधों की परिणति से पैदा हुए बच्चे क्या अवैध नहीं कहलायेंगे? विदेशी धार्मिक सामाजिक मान्यताओं में यह स्थिति स्वीकार्य हो सकती है परंतु भारत में दैहिक आजादी के नाम पर किशोरी मां बनी लड़कियों का जीवन कैसा होगा इसकी कल्पना करना कठिन नही है। तथ्य यह है कि संवैधानिक ढांचा स्पष्ट रूप से इस कानूनी धारणा का समर्थन करता है कि 18 वर्ष से कम आयु का व्यक्ति यौन गतिविधियों के लिए वैध सहमति देने में असमर्थ है। लड़कियों के विवाह की आयु 18 निर्धारित किये जाने का उद्देश्य भी यही था। 1889 में भारत में आयु सीमा 11 वर्ष थी, जिसे 1891,1925,1940 और 2013 के संशोधनों के जरिये 18 तक लाया गया है। देश में अभी मताधिकार, ड्रायविंग लाइसेंस, चुनाव लड़ने की आयु 18 से कम नहीं होने का कारण भी यही है कि इससे कम आयु को निर्णयन के लिए परिपक्व नहीं माना गया है। आयु संबन्धी इस विमर्श को विधायी और कानूनी शक्ल में आगे बढ़ाने वाला देश का वही अभिजन वर्ग है जो मूलतः अंग्रेजी में सोचता है और उसकी दृष्टि सेक्युलर होकर एक बड़े दबाव समूह के रूप में विधायिका, कार्यपालिका और यहां तक न्यायपालिका को भी नीतिगत रूप से प्रभावित करती रही है। बुनियादी रूप से इस विषय को समझने के लिए इसकी पृष्ठभूमि को जानना भी जरूरी है। जो भारतीय व्यवस्था में एनजीओ, सेक्युलरिज्म, उदारता औ? प्रगतिशीलता की आड़ में समाज के सांस्कृतिक मानबिन्दुओं को दशकों से खंडित, प्रदूषित और ध्वस्त करने की संगठित कोशिश में संलग्न है। सहमति से शारीरिक रिश्तों की आयु सीमा 16 करने का नैरेटिव भी इसी का हिस्सा है। दावा किया जा रहा है कि बच्चों को भी 16 साल में रोमांटिक प्रेम की आजादी के साथ जीने का अधिकार होना चाहिए। पॉक्सो कानून की सख्ती के कारण भारत में 16 से 18 साल के युवाओं के रोमांटिक रिश्तों का अपराधीकरण हो रहा है। यह भी समझना होगा भारत की लोक संस्कृति 25 साल तक ब्रह्मचर्य आश्रम की वकालत करती है और 1925 में महात्मा गांधी ने बाकायदा यंग इंडिया में लेख लिखकर यह कहा था कि मैं 25 साल की आयु की महिला को ही विवाह संबन्धों के लिए योग्य स्वीकार करूंगा। वस्तुतः भारतीय लोकजीवन, इसकी संयमित और कर्तव्यबोध केंद्रित जीवनचर्या के विरुद्ध पिछले 70 साल से एक संगठित तंत्र पूरी व्यवस्था पर हावी होकर काम करता रहा है। ताजा नैरेटिव इसी इकोसिस्टम का हिस्सा भर है। पिछले कुछ सालों में देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों में ऐसी याचिकाओं की संख्या बढ़ी है जो पॉक्सो एक्ट के आयु से जुड़े प्रावधान को इसलिए हटवाना चाहते हैं क्योंकि यह मुस्लिम पर्सनल लॉ के लिए परेशानी का कारण बन गया है। मुस्लिम लॉ कहता है कि बालिका जैसे ही रजस्वला होगी वह विवाह के योग्य मानी जायेगी। कभी यह आयु 15 साल थी लेकिन आज बदलती जीवनशैली में इसे 12 भी माना जाता है। किसी बालिका की इस आयु को सुरक्षित औ? जबाबदेह यौन संबंधों के लिए क्या कोई समाज खुद को सभ्य और सुसंस्कृत कह सकता है? सवाल यह भी है कि सहमति से यौन संबंधों की आयु 16 करने के दायरे में कौन-सी भारतीय लड़कियाँ आएंगी। क्या हमारे समाज में यौन रिश्ते कभी इस उन्मुक्तता के स्तर पर रहे हैं जहां परिवार में 16 साल के बाद बेटियों को यौन संबन्धों के लिए खुली आजादी रही हो।

लड्डू गोपाल को यात्रा पर ले जाना सही या गलत

लड्डू गोपाल को भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप में पूजा जाता है। लड्डू गोपाल की पूजा-अर्चना करने से जातक की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। पुराणों में भी लड्डू गोपाल की पूजा-अर्चना करने के कुछ विशेष नियम बताए गए हैं। जो लोग सच्चे मन से लड्डू गोपाल की सेवा करते हैं, उनके मन में लड्डू गोपाल की सेवा को लेकर कई तरह के सवाल आते हैं। लेकिन सबसे ज्यादा इस बात को लेकर कि क्या लड्डू गोपाल को हम अपने साथ बाहर किसी यात्रा पर लेकर जा सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि शास्त्रों में लड्डू गोपाल की सेवा को लेकर क्या बताया गया है।

कब ले जाना होगा उचित

अगर आप लड्डू गोपाल को अपने बच्चे के रूप में मानते हैं और उनके साथ यात्रा करना चाहते हैं। तो इसको भक्ति का प्रतीक माना जाता है। जिस तरह से माता-पिता बच्चे को अपने साथ रखते हैं। वैसे ही भावनात्मक रूप से लड्डू गोपाल को साथ ले जाना उचित है। उनके लिए अगर आप साफ वस्त्र, आसन, भोजन और जल की व्यवस्था कर सकते हैं। तो उनको लेकर जाया जा सकता है। अगर आप किसी तीर्थ स्थान, मंदिर या फिर धार्मिक आयोजन में ले जा रहे हैं। तो लड्डू गोपाल को साथ ले जाना शुभ होता है।

ऐसी जगह न ले जाएं

पुराणों के मुताबिक अगर आप ऐसे स्थान जा रहे हैं, जहां पर शुद्धता, मयार्दा या शांति का पालन संभव नहीं है, से भीड़भाड़ वाले बाजार, बार, सिनेमाघर आदि। वहां पर लड्डू गोपाल को साथ में लेकर नहीं जाना चाहिए।

यात्रा पर लड्डू गोपाल को लेकर जाना

धार्मिक शास्त्रों में यह भी बताया गया है कि अगर यात्रा के समय आप लड्डू गोपाल को ठीक से संभाल नहीं सकते हैं। ऐसे में उनका समय से स्नान, भोग और सेवा आदि नहीं कर सकते हैं। इसलिए उनको मंदिर में विराजमान रहने देना चाहिए। ऐसी स्थिति में आप मानसिक रूप से लड्डू गोपाल की सेवा कर सकते हैं। शास्त्रों में मानसिक पूजा का विशेष महत्व बताया गया है। लेकिन मानसिक पूजा करना इतना भी आसान नहीं है। इस कारण लोग मूर्ति की पूजा करते हैं। ऐसे में अगर आप लड्डू गोपाल को अपने साथ नहीं लेकर जा सकते हैं। तो आप जहां भी रहें, वहां पर उनका मानसिक ध्यान करते हुए सेवा करें। वहीं जहां पर ठहरने की उचित व्यवस्था न हो, वहां पर भी लड्डू गोपाल को लेकर जाना कष्टदायक हो सकता है।

जानिए क्या कहते हैं प्रेमानंद जी महाराज

प्रेमानंद जी महाराज कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप के साथ बिल्कुल बच्चे जैसा व्यवहार करना चाहिए। लेकिन इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वह परमेश्वर हैं। इसलिए मनमाने तरीके से पूजा नहीं करनी चाहिए। प्रेमानंद जी महाराज कहते हैं कि तुम्हारे भाव के लिए वह गोपाल जी हैं, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि वह परमात्मा भी हैं। इसलिए उनकी मनमाने ढंग से नहीं बल्कि नियम अनुसार पूजा करनी चाहिए। क्योंकि धार्मिक शास्त्रों में भी यह बताया गया है कि शास्त्रों के विरुद्ध आचरण करने वाले से भगवान कभी प्रसन्न नहीं होते हैं।

सेहत

दिनभर स्क्रीन पर लगाए रहते हैं नजरें तो हो सकता है डिजिटल आई स्ट्रेन

आज की डिजिटल दुनिया में लैपटॉप, स्मार्टफोन और टैबलेट हमारी जिंदगी का एक अहम हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में ज्यादातर लोग इन स्क्रीन्स पर अपना अधिकतर समय बिताने लगे हैं। पहले के समय में बच्चे कम से कम आउटडोर गेम्स खेलते थे। लेकिन अब मनोरंजन से लेकर काम तक हर चीज स्क्रीन पर सिमट गई है। लेकिन इस सुविधा का एक निगेटिव पहलू भी है। लंबे समय तक स्क्रीन पर समय बिताने से हमारी आंखों पर ज्यादा दबाव पड़ता है। इसको मेडिकल की भाषा में डिजिटल आई स्ट्रेन या कंप्यूटर विजन सिंड्रोम भी कहा जाता है। हालांकि यह सिर्फ आंखों की हल्की थकान नहीं है, बल्कि यह तेजी से बढ़ती हुई समस्या है। जिससे आंखों में जलन, धुंधलापन, सूखापन और लगातार सिरदर्द बना रह सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि इस डिजिटल चुनौती के दौर में अपनी आंखों की सेहत का कैसे ध्यान रखा जा सकता है।

जानिए क्या है डिजिटल आई स्ट्रेन : डिजिटल आई स्ट्रेन एक ऐसी स्थिति है, जो लंबे समय तक डिजिटल स्क्रीन जैसे फोन, टीवी और कंप्यूटर के उपयोग से होती है। स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी, अनुचित दूरी, बार-बार पलक झपकना या रोशनी में काम करना आई स्ट्रेन का मुख्य कारण है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 50-90% लोग जो रोजाना 2-3 घंटे से अधिक समय स्क्रीन पर बिताते हैं। इस समस्या से प्रभावित होते हैं। आई स्ट्रेन के लक्षणों में सूखापन, आंखों में दर्द, धुंधला दिखना, थकान और सिरदर्द आदि शामिल है।

डिजिटल आई स्ट्रेन की वजह : लंबे समय तक स्क्रीन पर काम करने के कारण आंखों की मांसपेशियां थक जाती हैं। स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी रेटिना को नुकसान पहुंचा सकती है। जिससे आपकी स्लीप साइकिल को प्रभावित करती है। वहीं कम पलक झपकने की वजह से आंखें सूखी रहती हैं। जिसकी वजह से जलन और असहजता होती है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :**
www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

स्वतंत्रता दिवस से पूर्व फुल ड्रेस रिहर्सल संपन्न

उपायुक्त हेमंत सती एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने किया निरीक्षण

साहिबगंजः स्वतंत्रता दिवस से पूर्व फुल ड्रेस रिहर्सल का उपायुक्त हेमंत सती एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने किया निरीक्षण। स्वतंत्रता दिवस की सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। मुख्य समारोह स्थल सिद्धों कान्हू स्टेडियम में भव्य पंडाल का निर्माण कराया जा रहा है। साथ ही आज जवानों, एनसीसी के छात्र, विभिन्न विद्यालय के छात्र - छात्राओं और पुलिस बल ने फुल ड्रेस रिहर्सल परेड किया। जिसका निरीक्षण उपायुक्त हेमंत सती एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से किया।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले परेड के अंतिम पूर्वाभ्यास का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने तिरंगे को सलामी दी। इस क्रम में टुकड़ियों ने परेड का अंतिम पूर्वाभ्यास किया इस दौरान सार्जेंट मेजर और सार्जेंट द्वारा पूर्वाभ्यास करने वाले जवानों और पुलिस पदाधिकारियों का नेतृत्व किया। उपायुक्त ने सभी जवानों और पुलिस पदाधिकारियों का उत्साहवर्द्धन करते हुए परेड को लेकर आवश्यक निर्देश दिये।परेड के पूर्वाभ्यास से पहले उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने सिद्धों कान्हो कि प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान उपायुक्त ने ध्वजारोहण का पूर्वाभ्यास किया एवं जवानों की टुकड़ियों द्वारा किये गए परेड की सलामी ली। मौके पर स्कूली छात्राओं की ओर से राष्ट्रगान का पूर्वाभ्यास किया गया। ज्ञात हो कि स्वतंत्रता दिवस पर झंडोत्तोलन और परेड के बाद जिला प्रशासन की ओर से अलग-अलग क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित भी किया जाएगा।वहीं उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने सभी व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को कई दिशा निर्देश दिए। मुख्य समारोह स्थल पर अतिथियों और लोगों की बैठने की व्यवस्था का भी निरीक्षण किया और संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। ध्वजारोहण हेतु समय सारणी। मुख्य आयोजन स्थल सिद्धो- कान्हो स्टेडियम में पूर्वाह्न 9:30 पर झंडोतोलन किया जाएगा। जबकि समाहरणालय साहिबगंज में 10:35 बजे। विकास भवन साहिबगंज में 10:55। मंडल कारा साहिबगंज में 10:50 बजे। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में 11:15, पुलिस लाईन में 11:25 एवं अनुमंडल कार्यालय साहिबगंज में 11:45 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा।जबकि कार्यालय एवं विद्यालयों में ध्वजारोहण समारोह मुख्य झंडोतोलन के पूर्व किया जाएगा।मुख्य आयोजन स्थल पर परेड के पूर्वाभ्यास के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के अलावा जिले के वरीय पदाधिकारी गण व अन्य उपस्थित थे।

चंद्रप्रभा देवी की स्मृति में उनके परिजनों ने किया भोजन वितरण

चाईबासाः सामाजिक कार्यों में अपनी दमदार और सशक्त पहचान रखने वाले जननायक समिति के तत्वावधान में चंद्रप्रभा देवी की पुण्यतिथि के अवसर पर उनके परिजनों द्वारा स्टेशन परिसर के समीप भोजन वितरण किया गया। इस अवसर पर उनके पुत्र जगन्नाथपुर डिग्री कॉलेज के प्राचार्य विकास कुमार मिश्रा ने कहा कि- प्रभु जनों के बीच भोजन वितरण कर असीम सुख की अनुभूति होती है और इनके बीच भोजन वितरण करके काफी सुकून मिलता है। इस अवसर पर भगेरिया फाऊंडेशन के प्रमुख विनोद भगेरिया ने कहा कि- जननायक समिति के तत्वधान में यह कार्य काफी पुनीत है। भोजन वितरण कार्य काफी बेहतर और उत्कृष्ट है जो प्रेरणादायक है। इस भोजन वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रोफेसर डॉ शिवपूजन सिंह, उमेश विश्वकर्मा, जया आस्था, यश भारद्वाज, रिक्की छाबड़ा, तरुण कुमार उपस्थित थे।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सिविल सर्जन के नेतृत्व में स्वास्थ्य टीम ने किया दवा वितरण

साहिबगंजः सिविल सर्जन सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी साहिबगंज डॉ. रामदेव पासवान के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने आज जिले के विभिन्न बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर प्रभावित परिवारों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराईं। निरीक्षण के दौरान डॉ. पासवान स्वयं टीम के साथ गाँव-गाँव पहुँचे और मौसमी बीमारियों, डायरिया एवं अन्य जलजनित रोगों से बचाव हेतु जन-जागरूकता अभियान चलाया। स्वास्थ्यकर्मियों ने घर-घर जाकर ओआरएस घोल, जिंक की गोलियाँ, बुखार एवं सर्दी-जुकाम की दवाएँ, त्वचा रोग एवं संक्रमण से बचाव हेतु मरहम-पाउडर समेत अन्य आवश्यक दवाइयाँ वितरित कीं। सिविल सर्जन ने लोगों से अपील की कि वे उबला हुआ पानी पिएँ, भोजन को ढककर रखें, मच्छरों से बचाव के लिए मच्छरदानी का उपयोग करें तथा किसी भी बीमारी के लक्षण दिखने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें। स्वास्थ्य विभाग ने आश्वासन दिया है कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में नियमित स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे और रोगों की समय पर पहचान व उपचार के लिए विशेष निगरानी रखी जाएगी।

करण सिंह ने बाढ़ प्रभावित लोगो के बीच किया राहत सामग्री का वितरण

साहिबगंजः जिले के कई प्रखंड बाढ़ की चपेट मे आ चुका है।वही सदर प्रखंड अंतर्गत हाजीपुर दियारा,ओझा टोली, हाजीपुर भिट्टा,राजगांव सहित अन्य गांव के लोग बाढ़ से प्रभावित है।वही समाजिक कार्यकर्ता करण सिंह यादव बाढ़ क्षेत्र का दौरा कर लोगों की समस्याओं को जाना। वही करण सिंह यादव ने लोगो के बीच राहत सामग्री वितरण किया.करण सिंह यादव ने कहा की क्षेत्र का दौरा कर उनकी समस्याओं को सुनने के बाद उनकी जरूरतमंद चीजों की सहायता करने की कोशिश कर रहा हूं।और आगे भी इनके साथ खड़ा रहूँगा।करण सिंह यादव ने बताया कि वह समाज के हित में काम करते रहेंगे एवं जो भी लोग बाढ़ के पानी से कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं उन्हें मदद करेंगे.उन्होंने जिला प्रशासन से माँग किया कि जो भी लोग बाढ़ के पानी से कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।उन्हें राहत सामग्री दिया जाए.मौके पर आयुष यादव,गौरव पासवान,बिकास मंडल,सोनू यादव,रंजन यादव,अभय पांडेय,सुमन यादव सहित कई लोग थे।

वोट चोरी के समर्थन में कांग्रेसियों ने प्रधानमंत्री गृहमंत्री व चुनाव आयोग का फूंका पुतला

साहिबगंज/बरहरवाः कांग्रेस सहकारिता विभाग के बैनर तले विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा किए गए प्रेस कांफ्रेंस के समर्थन और वोट चोरी के विरोध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमित शाह और चुनाव आयोग का पुतला फूँका गया। इसका नेतृत्व कांग्रेस सहकारिता विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष सहनवाज नासिर ने किया। जिसमे कांग्रेस,युवा कांग्रेस तथा एनएसयूआई के प्रकोष्ठ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गण उपस्थित थें । सहनवाज नासिर ने बताया की इस तरह की नीच हरकत से साफ पता चलता है। कि 2024 में धोके से सरकार बनाई गई है। आज देश की जनता समझ चुकी है कि किस प्रकार चुनाव आयोग की मदत से राज्य तथा प्रदेश में भाजपा धोके से सरकार बनाते आ रही है। जिस प्रकार इंडिया गठबंधन के नेता राहुल गांधी ने सबूत के साथ बीजेपी के झूट और चोरी को उजागर किया है इससे पूरी एनडीए सरकार और चुनाव आयोग डरी हुई है।कार्यक्रम की शुरूआत सहनवाज नासिर के आवास से मस्जिद चौक होते हुए स्टेशन चौक तक नारेबाजी वोट चोरों गद्दी छोड़ो,नरेंद्र मोदी तथा चुनाव आयोग मुदार्बाद करते हुए पहुँच कर पुतला जलाया गया। मौके पर मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष बरकत खान,प्रदेश कांग्रेस से विशेष आमंत्रित सदस्य मो नसीरुद्दीन, प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू,भोला नाथ महतो, अश्विनी आनंद,नेहाल अख्तर, अनंत लाल भगत,थॉमस रॉबर्ट,बिक्की, राकेश अफताब कौशर,राहुल,शारिक रब्बानी आर्यन राफत वारिस जयंतो साजिद सलमान,विनीत,संजय,भीम,अभिन्ाश,तौफीक,संतोष,एवं अन्य कार्यकर्ता मौजूद थें।

गांवों की तरक्की का रोडमैप तैयार करेगा पंचायत उन्नति सूचकांक

साहिबगंज/उधवाः प्रखंड सभागार में बुधवार को पंचायत उन्नति सूचकांक विषय पर प्रखंड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बीडीओ सह सीओ जयंत कुमार तिवारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक अभिजीत कुमार और प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी संतोष कुमार सुमन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस कार्यशाला मे,मुखिया, पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सेवक, जनवितरण प्रणाली संचालक, मनरेगा कर्मी, जेएसएलपीएस प्रतिनिधि, अंचल कर्मी तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मी उपस्थित रहे। जिला कार्यक्रम प्रबंधक अभिजीत कुमार ने विस्तार से बताया कि पंचायत उन्नति सूचकांक ग्रामीण विकास की प्रगति मापने का एक सशक्त साधन है। इसके तहत प्रत्येक पंचायत के शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता, पोषण, कृषि, महिला सशक्तिकरण और आधारभूत संरचना जैसे क्षेत्रों में प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाएगा। इस आकलन के आधार पर पंचायतों की रैंकिंग तय होगी और जिन क्षेत्रों का प्रदर्शन कमजोर होगा, वहां सुधारात्मक कदमों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने सूचकांक के मानदंड, डेटा संग्रहण प्रक्रिया, पोर्टल पर जानकारी अपलोड करने की पद्धति और निगरानी व्यवस्था पर विस्तृत प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान पंचायत उन्नति सूचकांक में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। मौके पर पंचायत सचिव दिलीप दत्ता, परमेश्वर पंडित, अब्दुस कुद्दूस, मोनिका मुर्मू, सत्यनारायण रजवार, प्रेमचंद रजक, नुकुल मंडल, शिवराम मुर्मू, मुखिया जियाउल हक उर्फ शास्त्री, हक साहेब सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

गड्ढे में पलटा ऑटो, स्कूली बच्ची घायल

खूंटीः नगर पंचायत की लापरवाही और अधिकारियों की उदासीनता के चलते कर्रा रोड पर बने गहरे गड्ढे आए दिन दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं। आज एक ऑटो रिक्शा इन्हीं गड्ढों में असंतुलित होकर पलट गया, जिसमें सवार एक स्कूली बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। इस घटना ने एक बार फिर सड़कों की बदहाली और प्रशासनिक उपेक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। कर्रा रोड पर करीब दो साल पहले बनी सड़क के किनारे गहरे गड्ढे बन चुके हैं, जो बारिश के बाद और भी खतरनाक हो जाते हैं।

क्रॉस कंट्री दौड़

पुरुष वर्ग में पिंटू कुमार व महिला वर्ग में क्रांति कुमारी बनी विजेता

क्रॉस कंट्री दौड़ में सैकड़ों प्रतिभागियों ने लगाई दौड़ स्वास्थ्य के प्रति लोगों को किया जागरूक

साहिबगंजः स्वतंत्रता दिवस - 2025 के शभ ु अवसर पर जिला प्रशासन, साहिबगंज द्वारा क्रॉस कंट्री दौड़ महिला और पुरुष का आयोजन आज प्रातः 6:00 बजे साक्षरता चौक से समाहरणालय तक किया गया। जिसका उद्घाटन पुलिस उपाधीक्षक ,साहेबगंज किशोर तिर्की,सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान,डॉ मुकेश कुमार ,जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष श्री राजेश यादव ने हरि झंडी दिखाकर किया । मौके पर जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि कुमार सिंह, सिविल सर्जन, साहेबगंज खेल विभाग के कोच योगेश यादव,प्रकाश सिंह बादल,अशोक साहनी, कोच निमाई चौधरी, तकनीकी पदाधिकारी मनोज कुमार,आदित्य कुमार,वीरेंद्र कुमार, गौरव झा, फिजिकल अकाडमी साहेबगंज के अमन कुमार,अल्का कुमारी समेत अन्य का सराहनीय सहयोग रहा। वहीं आवासीय बालक एवं डे बोर्डिंग बालिका एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र ,खेलो इंडिया कुश्ती सेंटर साहेबगंज,डे बोर्डिंग एथलेटिक्स एवं टाइगर एथलेटिक्स क्लब सकरीगली तथा फिजिकल अकाडमी, साहेबगंज के सैकड़ों प्रतिभागियों ने भाग लिया।दौड़ के विजेता प्रतिभागियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन साहेबगंज द्वारा सिद्धो कान्हु स्टेडियम साहेबगंज में पुरस्कृत किया जाएगा।

परिणाम-पुरुष वर्गःप्रथम पिंटू कुमार,द्वितीय मिथुन कुमार सिंह

तृतीय-सोनू कुमार यादव

सांत्वना पुरस्कारः चतुर्थ अमित कुमार, पंचम भुवन कुमार मंडल ।

महिला वर्गः- प्रथम क्रांति कुमारी , द्वितीय रोशनी कुमारी,तृतीय छोटी कुमारी

सांत्वना,चतुर्थ पलक प्रिया और पंचम साक्षी कुमारी ने किया।

गंगा कटाव की चपेट में आया मासूम ,खोजबीन जारी

साहिबगंज/उधवाः राधानगर थाना क्षेत्र के श्रीधर दियारा पंचायत अंतर्गत साहेब टोला में गंगा कटाव की चपेट में आकर महज डेढ़ साल का मासूम अयान शेख गंगा के तेज बहाव में समा गया।। जानकारी के अनुसार, अयान शेख अपने पिता रमजान शेख के साथ साहेब टोला स्थित नानी के घर आया हुआ था। मां के संग खुशी-खुशी समय बिता रहा यह मासूम शाम को घर के बाहर नदी किनारे खेल रहा था। इसी दौरान, गंगा कटाव के कारण अचानक जमीन का एक बड़ा हिस्सा नदी में धंस गया और अयान पानी के तेज बहाव में बह गया।हादसे की खबर फैलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। परिजन, ग्रामीण और कई युवा तुरंत नदी किनारे पहुंचकर बच्चे को खोजने में जुट गए, लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं मिल सका है। इस दर्दनाक घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि पूरे साहेब टोला में मातम का माहौल है।स्थानीय मुखिया तमल मंडल ने घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए अंचल प्रशासन से तत्काल गोताखोरों की मदद से बच्चे की खोज कराने की अपील की है। उन्होंने कहा कि गंगा कटाव की समस्या साल दर साल यहां लोगों की जान और संपत्ति को निगल रही है। जिस पर स्थायी समाधान की जरूरत है। समाचार लिखे जाने तक बच्चा का खोजबीन जारी था।

खूंटी में चोरों का आतंक : एक ही दुकान में चार से पांच बार चोरी, पुलिस प्रशासन बेबस

खूंटीः शहर के सबसे व्यस्त चौराहे सुभाष चौक से महज दस कदम की दूरी पर स्थित एक छोटी सी दुकान चोरों को निशाने पर बार-बार आ रही है। हैरानी की बात यह है कि इस दुकान पर अब तक लगातार कई बार चोरी हो चुकी है, और हर बार चोर पुलिस प्रशासन को चुनौती देते हुए बेखौफ होकर वारदात को अंजाम दे रहे हैं।

चोरों का हौसला इतना बढ़ गया है कि दुकान के सामने सीसीटीवी कैमरा लगा होने के बावजूद चोरों ने हर बार दुकान के दरवाजे और छत को तोड़कर चोरी की है। यहां तक कि खूंटी थाना भी इस दुकान से कुछ ही मीटर की दूरी पर स्थित है, और रातभर पुलिस की पेट्रोलिंग गाड़ियां इस इलाके से गुजरती हैं। फिर भी चोरों के हौसले पस्त होने का नाम नहीं ले रहे।

दुकानदार का कहना है कि यह एक छोटी सी दुकान है, जहां से मुश्किल से गुजारा होता था। लेकिन लगातार चोरी और आर्थिक नुकसान ने उनकी कमर तोड़ दी है। अब वह कर्ज के बोझ तले दब चुका है। उसका सवाल है कि जब इतने व्यस्त इलाके में, थाने के नाक के नीचे और सीसीटीवी के सामने यह हाल है, तो शहर के दूसरे इलाकों में सुरक्षा का क्या हाल होगा ?

खूंटी में कई जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, लेकिन लगता है कि ये सिर्फ दिखावे की सुरक्षा हैं। चोरों को भी इस बात का अंदाजा है, इसलिए वे बिना किसी डर के खुलेआम चोरी कर रहे हैं। दुकानदार और स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस प्रशासन की लापरवाही के कारण ऐसी घटनाएं बढ़ रही हैं।

इस मामले पर खूंटी थाना से बातचीत की गई, तो उन्होंने कहा कि मामले की जांच चल रही है और जल्द ही दोषियों को पकड़ा जाएगा। हालांकि, अब तक की गई कार्रवाई नागरिकों को संतुष्ट नहीं कर पाई है। अगर शहर के सबसे सुरक्षित और नजदीकी इलाके में ऐसी वारदातें हो रही हैं, तो आम जनता का भरोसा पुलिस प्रशासन पर से उठना लाजमी है। स्थानीय नागरिकों की मांग है कि पुलिस गंभीरता से कार्रवाई करे और चोरों के खिलाफ सख्त कदम उठाए, वरना आने वाले दिनों में अपराधियों का साहस और बढ़ सकता है।

भाई फैसल के आरोपों से दुखी हुए आमिर, जारी किया बयान

अभिनेता आमिर खान के भाई फैसल खान ने हाल ही में अपने परिवार और आमिर खान पर गंभीर आरोप लगाए। एक इंटरव्यू में फैसल ने आमिर खान पर सालभर तक उन्हें घर में बंद रखने का आरोप लगाया। फैसल के ऐसा आरोपों पर आमिर खान और उनके परिवार ने साझा बयान जारी किया है। परिवार ने सयुंक्त बयान में फैसल के आरोप और दावों से इनकार किया है। फैसल खान ने एक इंटरव्यू में अपने भाई आमिर खान और परिवार पर आरोप लगाए थे कि उन्हें सालभर तक घर में बंद करके रखा गया, क्योंकि उनके मुताबिक वे पागल थे। फैसल के इन बयानों से खान परिवार आहत है। पूरे परिवार ने एक संयुक्त बयान जारी कर फैसल के दावों और आरोपों को खारिज किया है। आधिकारिक तौर पर जारी बयान में खान फैमिली ने फैसल के आरोपों को दुखद बताते हुए कहा है कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है।

डॉक्टरों के परामर्श पर परिवार ने मिलकर लिया फैसला

बयान में कहा गया है, हम फैसल द्वारा अपनी मां जीनत ताहिर हुसैन, बहन निखत हेगड़े और भाई आमिर की गलत, भ्रामक और दुख पहुंचाने वाली बनाई गई छवि से बहुत दुखी हैं। ऐसा चूंकि पहली बार नहीं है, जब उन्होंने चीजों को गलत तरीके से पेश किया है, इसलिए हमें अपने इरादे स्पष्ट करने और एक परिवार के रूप में अपनी एकजुटता की पुष्टि करना जरूरी लगता है। यह बताना बहुत जरूरी है कि फैसल को लेकर हर फैसला परिवार ने मिलकर और कई मेडिकल पेशेवरों से परामर्श करके लिया है। यह फैसला प्यार, करुणा और उसकी भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक सेहत को ध्यान में रखकर लिया गया। इसी वजह से हमने इस मुश्किल वक्त में अपने परिवार के बारे में सार्वजनिक रूप से बात करने से परहेज किया।

परिवार के सदस्यों के नाम शामिल

जारी बयान में आमिर खान के परिवार ने मीडिया से भी संवेदनशील होने की अपील की और इस मामले को किसी तरह से गॉसिप नहीं बनाने की अपील की। यह बयान आमिर खान के पूरे परिवार की तरफ से जारी किया गया है। इसमें आमिर खान उनकी एक्स वाइफ रीना दत्त, किरण राव, बच्चों आयरा, जुनैद और आजाद के अलावा दोनों बहनों निखत और फरहत, कजिन आदि के नाम हैं।

रोहित शेट्टी के सामने हाथ जोड़कर मांगा काम, तो मंदिरों में जाने पर हुईं ट्रोल

केदारनाथ, लव आजकल 2, सिंबा, स्काईफोर्स समेत कई चर्चित फिल्मों में अपनी एक्टिंग का जौहर दिखाने वाली सारा अली खान का 12 अगस्त को जन्मदिन है। अभिनेत्री अमृता सिंह और अभिनेता सैफ अली खान की बेटी सारा अली खान अपने एक्टिंग स्किल की वजह से इंडस्ट्री में खास जगह बनाने में सफल रही हैं। उनकी सादगी, मेहनत और बेबाक अंदाज ने उन्हें फैंस का चहेता बना दिया। सारा का करीना कपूर के साथ भी खूबसूरत रिश्ता है, जो अक्सर सुर्खियों में रहता है। कोलंबिया विश्वविद्यालय से इतिहास और राजनीति विज्ञान में ग्रेजुएट होने के बाद सारा ने साल 2018 में व्यावसायिक रूप से सफल फिल्मों रोमांटिक-ड्रामा केदारनाथ और एक्शन कॉमेडी सिम्बा के साथ अभिनय करियर की शुरुआत की। सारा ने साल 2018 में फिल्म केदारनाथ से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद सिम्बा, अतरंगी रे, जरा हटके जरा बचके, गैसलाइट, स्काई फोर्स के साथ ही हालिया रिलीज मेट्रो...इन दिनों जैसी फिल्मों में उन्होंने अपनी एक्टिंग की छाप छोड़ी। मेट्रो...इन दिनो में सारा ने एक साधारण, जिंदगी की उलझनों से जूझती लड़की का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। एक इंटरव्यू में सारा ने बताया कि इस किरदार के लिए उन्होंने ग्लैमर से परे एक वास्तविक और सादगी भरा लुक अपनाया, जो निर्देशक अनुराग बसु की सोच थी। सैफ अली खान की लाडली सारा का आम जीवन में भी बेहद सरल हैं। इस बात का जिक्र कपिल शर्मा के शो में रोहित शेट्टी ने खुद किया था। उन्होंने बताया था कि सारा उनके ऑफिस आईं और हाथ जोड़कर सिम्बा में काम मांगा था। रोहित ने उनकी सादगी की तारीफ करते हुए कहा, सारा बहुत मेहनती और जमीन से जुड़ी हैं। रोहित शेट्टी ने बताया, सिम्बा में काम मांगने के लिए आईं सारा ने उनके सामने हाथ जोड़ा था। रोहित ने बताया, जब सारा मेरे पास पहुंची तो उसने तुरंत हाथ जोड़कर कहा, सर, प्लीज मुझे काम दे दो। सारा का पिता सैफ की दूसरी पत्नी करीना से दोस्ताना रिश्ता है। बिंदास एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर कई दफा ट्रोलिंग की भी शिकार हुई हैं। उनकी आस्था को लेकर सवाल खड़े किए जाते हैं। इसके बावजूद, सारा अपनी आस्था पर कायम रहती हैं। एक इंटरव्यू में सारा ने बताया था, मैं जैसी हूं, वैसी ही रहती हूं। मेरा स्टाइल या व्यवहार बनावटी नहीं है।

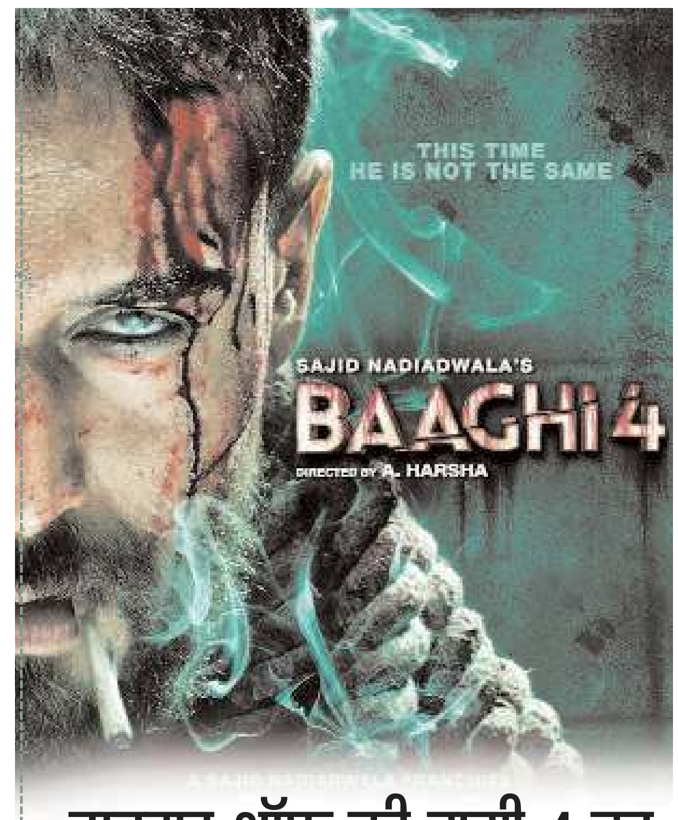

टाइगर श्रॉफ की बागी 4 का टीजर जारी, फुल एक्शन मोड में दिखे अभिनेता

टाइगर श्रॉफ के फैंस को उनकी आगामी फिल्म बागी 4 का लंबे समय से इंतजार था। आखिरकार आज 11 अगस्त को मेकर्स ने इस फिल्म का टीजर जारी कर दिया। टीजर में टाइगर बेहद ही आक्रामक अंदाज में नजर आ रहे हैं और अपने दुश्मनों पर किसी भी प्रकार की दया ना दिखाते हुए उनपर जोरदार हमला कर रहे हैं।

रोंगटे खड़े कर देने वाला टीजर

बागी 4 के निर्माताओं ने फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया है, जो 1 मिनट 49 सेकेंड का है। इस टीजर की शुरुआत टाइगर श्रॉफ के एक डायलॉग से होती है कि जरूरत और जरूरी में फर्क होता है। इसके बाद टीजर में अभिनेता को बहुत ही गुस्से में हथियारों से दुश्मनों पर आक्रामक हमला करते देखा जाता है, जो काफी भयानक और रोंगटे खड़े कर देने वाला है। टीजर देखने के बाद नेटिजंस के मन में फिल्म को लेकर बेसब्री और बढ़ गई है।

खलनायक की भूमिका में छाए संजय दत्त

टीजर में संजय दत्त खलनायक की भूमिका में खतरनाक अंदाज में दिख रहे हैं और टाइगर श्रॉफ से उनकी जबरदस्त भिड़त हो रही है। इसके अलावा सोनम बाजवा के स्क्रीन प्रेजेंस ने ग्लैमर और एक्शन का शानदार तड़का लगाया है, जो दर्शकों को आकर्षित कर रहा है। इतना ही नहीं टीजर में हरनाज संधू भी एक्शन मोड में जबरदस्त अंदाज में दिख रही है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

मशहूर बागी फ्रैंचाइजी की चौथी किस्त का निर्देशन ए. हर्ष ने किया है और इसे साजिद नाडियाडवाल द्वार निर्मित किया गया है। इसमें टाइगर श्रॉफ, सोनम बाजवा, संजय दत्त और हरनाज संधू अहम किरदार में हैं। बागी 4 सितंबर 5 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कृष्णा श्रॉफ बनीं छोरी नंबर 1, मात्र 46 सेकंड में पूरी की अग्नि परीक्षा

अपने रियलिटी शो छोड़ियाँ चली गाँव में केवल एक हफ्ता ही बीता है और कृष्णा श्रॉफ पहले से ही एक बदली हुई छोरी बन गई हैं। उन्होंने शो के नवीनतम एपिसोड में उन्होंने खुद भी यह बात स्वीकार की, जहां लड़कियों को एक अग्नि परीक्षा टास्क दिया गया था। इस टास्क में उन्हें एक बाधा-पथ पूरा करना था, लेकिन कुछ अनोखे मोड़ों के साथ। लड़कियों को गांववालों से मिलकर उनकी समस्याएं जाननी थीं और उनसे बातचीत करनी थी। जब उन्होंने गांववालों की रोजमर्रा की परेशानियों को करीब से देखा, तो वे हक्की-बक्की रह गईं और काफी भावुक भी हो गईं। कृष्णा ने गांव के संतोष और सीमा से मुलाकात की, जो हर बारिश में बमूलिया की झील में आई बाढ़ से जूझते हैं। इसके बावजूद, वे घुटनों तक पानी में चलकर रोजी-रोटी कमाने के लिए काम पर जाते हैं। कृष्णा ने बाढ़ की समस्या से जूझने का फ़ैसला किया और न सिर्फ़ 46 सेकंड में बाधा दौड़ पूरी की, बल्कि छोरी नंबर 1 का खिताब भी जीता। जहाँ एक ओर टॉप पर अपनी जगह पक्की करने की जीत एक उपलब्धि थी, वहीं दूसरी ओर कृष्णा के लिए उससे भी बड़ी जीत आत्म-साक्षात्कार के रूप में आई। जहाँ उन्होंने कहा, जिस कृष्णा ने इस सफर की शुरुआत की थी, अंत तक वह बहुत अलग होगी। और मुझे लगता है कि हम सब यहां से एक बेहतर इंसान बनकर ही निकलेंगे। इस टास्क में लड़कियों को गांव की किसी एक समस्या को चुनकर बलिदान देना होता है। इसके लिए पहले उन्हें बाधा-पथ पार करना होता है और फिर एक पुतला जलाकर उस समस्या का प्रतीकात्मक बलिदान देना होता है — यह बमूलिया गांव की एक परंपरा है। कृष्णा का सफर छोरियां चली गांव में आत्म-खोज और ग्रामीणों के लिए मिसाल बनने का मेल रहा है। जहां वह शो की सबसे मजबूत प्रतियोगियों में से एक बनकर उभरी हैं, वहीं गांववाले भी उन्हें बहुत पसंद कर रहे हैं। उनकी सादगी और मासूमियत ने पहले ही गांव के लोगों और शो के दर्शकों का दिल जीत लिया है। सोशल मीडिया पर भी लोग कृष्णा के इस सफर को पसंद कर रहे हैं और उन्हें विजेता के रूप में देखना चाहते हैं। कृष्णा श्रॉफ इस वक्त दर्शकों की सबसे पसंदीदा छोरी बन चुकी हैं।

ओह माई गॉड-2 के 2 साल पूरे, यामी गौतम ने बताया आज भी क्यों खास लगती है ये फिल्म

ओह माई गॉड-2 साल 2023 में आई बेस्ट फिल्मों में से एक थी। 50 करोड़ रुपए के बजट में बनी इस फिल्म ने 221 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की थी। फिल्म में अक्षय कुमार, यामी गौतम, और पंकज त्रिपाठी जैसे सितारे थे। इस फिल्म को रिलीज हुए अब 2 साल हो चुके हैं। इस मौके पर यामी गौतम ने बताया कि क्यों उन्हें ये मूवी खास लगी और आज भी लगती है। ओह माई गॉड-2 में यामी गौतम एक जिद्दी वकील के किरदार में दिखाई दी थीं। इसमें उनकी एक्टिंग लोगों को खूब पसंद आई थी। इस फिल्म के बारे में बात करते हुए यामी ने कहा, इस फिल्म में एक बहुत ही जरूरी और संवेदनशील मुद्दा उठाया गया है, खासकर बच्चों की पढ़ाई से जुड़ा हुआ। इस पूरे विषय को एक कोर्टरूम ड्रामा के रूप में बहुत ही खूबसूरती से दिखाया गया है। इसमें कॉमेडी भी है और भरपूर मनोरंजन भी, और मुझे खुशी है कि मैं इसका हिस्सा थी। यामी की एक्टिंग की बात करें तो वे सिर्फ कहानी में फिट नहीं होतीं, बल्कि उसे और बेहतर बना देती हैं। वे हर बार दर्शकों के लिए कुछ ऐसा लेकर आती हैं जो उन पर गहरा असर छोड़ता है। यामी हमेशा कुछ अलग और नया किरदार करने की कोशिश में रहती हैं। उनकी फिल्मों पर नजर डालें तो ये साफ दिखाई देता है। उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक में उन्होंने तेज-तर्रार इंटेलिजेंस ऑफिसर का किरदार निभाया था। इसके बाद यामी ने एक नया सफर शुरू किया। ए थर्सडे में उन्होंने एक स्कूल टीचर का रोल किया, उनका ये किरदार भी पिछले से हटकर था और लोगों को पसंद आया। फिर वो ओह माई गॉड-2 में वकील के रोल में दिखीं। उनकी आने वाली फिल्म इमरान हाशमी के साथ होगी। ये फिल्म 1985 के शाह बानो वर्सेज अहमद खान मामले से प्रेरित है। ये इसी साल अक्टूबर-नवंबर में रिलीज होगी।

सुब्रतो कप इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट 19 अगस्त से, 106 टीमें लेंगी हिस्सा

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रतिष्ठित सुब्रतो कप इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट का 64वां संस्करण 19 अगस्त से शुरू होगा, जिसमें तीन श्रेणियां जूनियर बॉयज, जूनियर गर्ल्स और सब-जूनियर बॉयज होंगी। तीनों श्रेणियों में कुल 106 टीमें खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। टूर्नामेंट 19 अगस्त से 25 सितंबर तक नई दिल्ली-एनसीआर और बेंगलुरु में आयोजित होगा। इस संबंध में आधिकारिक घोषणा राजधानी के आकाश ऑफिसर्स मेस में एक प्रेस इवेंट के दौरान की गई, जिसमें चीफ गेस्ट के रूप में एयर मार्शल एस. शिवकुमार वीएसएम, एयर ऑफिसर-इन-चार्ज एडमिनिस्ट्रेशन एवं वाइस चेयरमैन, सुब्रतो मुखर्जी स्पोर्ट्स एजुकेशन सोसाइटी मौजूद थे। भारतीय फुटबॉलर दलीमा छिब्बर भी गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में शामिल हुईं। सुब्रतो कप का आयोजन एयर फोर्स स्पोर्ट्स कंट्रोल

बोर्ड के तहत सुब्रतो मुखर्जी स्पोर्ट्स एजुकेशन सोसाइटी द्वारा किया जाता है। इसकी शुरूआत 1960 में हुई थी, जब एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी ने जमीनी स्तर पर खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इसकी परिकल्पना की थी। एयर मार्शल एस. शिवकुमार ने कहा, ह्लभारतीय वायुसेना और सुब्रतो मुखर्जी स्पोर्ट्स एजुकेशन सोसाइटीहर साल टूर्नामेंट को बड़ा और बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह युवाओं को अपने करियर का अगला कदम उठाने का मंच देता है। सभी टीमों को शुभकामनाएं, वे खेल को खेल भावना के साथ खेलें। दलीमा छिब्बर ने कहा, ह्लसुब्रतो कप में लौटना सम्मान की बात है, जहां मेरी यात्रा 2011 में पहले महिला अंडर-17 टूर्नामेंट से शुरू हुई थी। यह प्रतियोगिता स्कूल स्तर के खिलाड़ियों को आत्मविश्वास और अवसर देती है, जिससे वे राष्ट्रीय टीम तक पहुंच पाते हैं।

विशेष पहल: इंडियन टाइगर एंड टिग्रेसेसह्ल अभियान के तहत स्काउटिंग राउंड से चुने गए सात खिलाड़ियों को जर्मनी में एडवांस्ड फुटबॉल ट्रेनिंग का मौका मिलेगा।

दिल्ली-एनसीआर

अंबेडकर स्टेडियम, तेजस फुटबॉल ग्राउंड, सुब्रतो पार्क फुटबॉल ग्राउंड, पिंटो पार्क फुटबॉल ग्राउंड

बेंगलुरु

एयर फोर्स स्कूल जालहल्ली, एयर फोर्स स्कूल येलहंका, एचक्यू ट्रेनिंग कमांड फुटबॉल ग्राउंड इस बार तीनों श्रेणियों में 106 टीमें राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों, विभिन्न शैक्षिक संस्थानों और चार विदेशी टीमों का प्रतिनिधित्व करेंगी। कुल 200 से अधिक मैच खेले जाएंगे।

भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका 2025: घरेलू सीजन का सबसे बड़ा क्रिकेट संग्राम, टेस्ट से टी-20 तक फैंस की निगाहें टिकीं

नई दिल्ली : भारत में नवंबर-दिसंबर 2025 का महीना क्रिकेट प्रेमियों के लिए उत्साह और रोमांच से भरा रहेगा, जब दक्षिण अफ्रीका टीम तीनों प्रारूपों में मुकाबले के लिए भारत का दौरा करेगी. यह श्रृंखला न केवल फैंस के लिए मनोरंजन का बड़ा स्त्रोत बनेगी, बल्कि भारतीय टीम प्रबंधन के लिए रणनीतिक दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण साबित होगी.

टेस्ट सीरीज: वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की दिशा तय करने वाली भिड़ंत दो टेस्ट मैच 14-18 नवंबर को कोलकाता और 22-26 नवंबर को गुवाहाटी में खेले जाएंगे.

महत्व: वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (हळ्ळउ) में भारत की स्थिति को मजबूत करने का सुनहरा मौका.

रणनीतिक चुनौती: दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज स्पिन-फ्रेंडली पिचों पर भी असरदार रहे हैं, इसलिए भारत को बल्लेबाजी क्रम में स्थिरता और ओपनिंग पार्टनरशिप पर विशेष ध्यान देना होगा.

खिलाड़ियों की नजर में: रोहित शर्मा

और विराट कोहली जैसे वरिष्ठ खिलाड़ी जहां अनुभव से टीम को दिशा देंगे, वहीं शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ियों के पास खुद को साबित करने का सुनहरा अवसर होगा.

ODI सीरीज: वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियों का ट्रायल

तीन वनडे 30 नवंबर (रांची), 3 दिसंबर (रायपुर) और 6 दिसंबर (विशाखापटनम) में खेले जाएंगे.

महत्व: हालांकि इस समय ICC टूर्नामेंट दूर है, लेकिन टीम कॉम्बिनेशन और बेंच स्ट्रेंथ की जांच के लिए यह श्रृंखला अहम होगी.

रणनीति: मिडल-ऑर्डर की स्थिरता, फिनिशिंग टच और गेंदबाजों की डेथ ओवर में सटीकता पर कोचिंग स्टाफ की पैनी नजर रहेगी.

खिलाड़ी सेलेक्शन की परीक्षा: यह सीरीज चयनकताओं के लिए भी अहम होगी, ताकि वे टी 20 और टेस्ट स्क्वाड के बीच सही संतुलन बना सकें.

20टी सीरीज: 2026 टी 20 वर्ल्ड कप की तैयारियों का अहम पड़ाव पांच मैच 9 दिसंबर (कटक), 11 दिसंबर (मुल्लापुर), 14 दिसंबर (धर्मशाला), 17 दिसंबर (लखनऊ) और 19 दिसंबर (अहमदाबाद) को होंगे.

भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप नागरिकों की जरूरी सुविधाओं में हो विस्तार : मुख्यमंत्री

एजेंसी

जयपुर : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भरतपुर शहर के निवासियों की मूलभूत सुविधाओं में वृद्धि के लिए जारी विभिन्न विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि भरतपुर शहर की आबादी और क्षेत्र के निरंतर विस्तार को देखते हुए जिला प्रशासन भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप जन सुविधाओं के विस्तार की कार्ययोजना बनाकर काम करें। शर्मा बुधवार देर रात मुख्यमंत्री कार्यालय में भरतपुर शहर के विकास कार्यों को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान के मुख्य गेट के जीर्णोद्धार के साथ ही नया एंट्री प्लाजा बनाने

की कार्ययोजना को मूर्त रूप दिया जाए, जिससे आने वाले पर्यटकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने भरतपुर विकास प्राधिकरण को शहर में फेज-1 के तहत पांच प्रमुख चौराहों के सुदृढ़ीकरण और विकास कार्य को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। साथ ही, प्रमुख तिराहों एवं चौराहों के सौन्दर्यीकरण को बढ़ाने के लिए स्थानीय पहचान के अनुरूप विशिष्ट मूर्तियां स्थापित करने के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विकास कार्यों के फेज-1 में घना रोड व शीशम तिराहा रोड को टेजफिक की आवश्यकता के अनुसार विस्तार देकर ग्रीन रोड के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने शीशम तिराहे से हीरादास चौराहे तक, चांदपोल गेट से आरबीएम तक, आरबीएम से रीको ऑफिस तक, रेड क्रॉस से रेलवे स्टेशन तक, मानसिंह सर्किल से इकराम मोड़ तक, गणेश मंदिर से 13 नंबर स्कीम तक, चावंड से 13 नंबर स्कीम तक, बिजली घर चौराहे से सारस होटल तक, अनाह गेट से चारभुजा तक होने वाले रोड़ एवं डिवाइडर निर्माण, चौड़ाईकरण सहित फुटपाथ निर्माण, लाइट और यूटिलिटी डक विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। शर्मा ने भरतपुर कलक्ट्रेट, नगर निगम, अनाज मंडी, सरसों मंडी, जनाना अस्पताल, बस स्टैण्ड, बस डिपो के स्थानांतरण कार्य को गति प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने जसवंत प्रदर्शनी मेला स्थल का कार्ययोजना बनाकर पुराने हैरिटेज के रखरखाव एवं विकास कार्य करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने शहर के कॉलेज ग्राउंड में ट्रैक शीघ्र तैयार करने सहित फुटबॉल प्रैक्टिस सुविधा उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने सुजान गंगा में गंदे पानी की आवक को रोकने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने के लिए भी कहा। मुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग को भरतपुर शहर के प्रमुख स्थानों को चिन्हित कर भूमिगत केबल कार्य को प्राथमिकता के आधार पर प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने शहर में मंदिर श्री बिहारी जी, श्री लक्ष्मण जी, श्री गंगा मंदिर सहित प्रमुख मंदिरों के पुनरुद्धार कार्य करने एवं जनसुविधाओं के विस्तार के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पर्यटकों की दृष्टि से शहर के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर साइकिल ट्रैक, पार्किंग एवं अन्य विकास कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाए। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि भरतपुर शहर के प्रमुख लिंक सड़कों पर विकास कार्यों को समय-सीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने भरतपुर के मास्टर ड्रैनेज फेज-1 के कार्यों को पूर्ण गंभीरता से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियो को बॉटनिकल पार्क, सैनिक स्कूल हेतु स्थान चिन्हित करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने झील का बाड़ा कैलादेवी मंदिर के विकास कार्यों को गति प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बीडीए अपने सीमाक्षेत्र की सम्पूर्ण लैंड बैंक तैयार करे। साथ ही, उन्होंने नगर निगम को सड़कों के सुदृढ़ीकरण कार्य को पूरा करने के लिए निर्देशित किया। बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों सहित पीडब्ल्यूडी, वित्त, पर्यटन, ऊर्जा, यूडीएच, स्वायत्त शासन के उच्चाधिकारी सहित भरतपुर जिला कलक्टर, नगर निगम, बीडीए सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रीराम के मानस मंदिर में लगी श्रीकृष्ण लीला की झांकी, कर रही बच्चों को आकर्षित

एजेंसी

वाराणसी : वाराणसी के दुगाकुंड क्षेत्र में प्रभु श्री राम के मंदिर को तुलसी मानस मंदिर के नाम से जाना जाता है। इसी मानस मंदिर में सात दिनों तक चलने वाले झूलनोत्सव में श्री कृष्ण की लीला की झांकियां लगाई गई है। श्री कृष्ण के लीला की झांकियां देखने के लिए बीते दो दिनों में बच्चों में खासा उत्साह है। इस बार स्वतंत्रता दिवस और उसके दूसरे दिन श्री कृष्ण जन्माष्टमी होने के कारण मानस मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की पूरी संभावना है। वैसे तो वाराणसी आने वाला हर दूसरा पर्यटक तुलसी मानस मंदिर देखने आता है, जिसके कारण यहां पूरे वर्ष भीड़ बनी रहती है। भगवान श्री राम में आस्था रखने वाले तीर्थ श्रद्धालु भी यहां अवश्य आते हैं। सन् 1964 में निर्मित मानस मंदिर के दीवारों पर श्री रामचरितमानस के दोहे और चौपाइयां लिखी हुई है। जो देखने में बेहद मनमोहक दिखते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने शब्दों में मानस मंदिर की भव्यता की तारीफ की थी। रामनवमी और श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर मानस मंदिर में विशेष उत्सव मनाया जाता है। मंदिर समिति से जुड़े हुए लोगों की मानें तो श्री कृष्ण जन्माष्टमी मनाने के लिए मुहूर्त के अनुसार विशेष पूजन व्यवस्था की जाती है। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के तीन दिन पहले से झांकी लगाई गई है। जिसे स्थानीय कलाकार पूरे मनोयोग से तैयार किए हैं। झांकी लगने के साथ ही यहां पर उसे देखने वाले परिवारों का आना शुरू हो गया है। भगवान श्री कृष्ण के जन्म से लेकर राक्षसों के वध तक, मथुरा से लेकर द्वारिका तक की लीलाओं को यहां देखा जा सकता है।

ऐसे पहुंचेंगे मानस मंदिर

दुगाकुंड स्थित मां दुर्गा और संकट मोचन हनुमान मंदिर के बीच में मानस मंदिर स्थित है। शुक्रवार, शनिवार और छुट्टी के दिनों में यहां परस्पर भीड़ बनी रहती है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर से गोदौलिया होते हुए दुगाकुंड पहुंच जाता है। वही वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन अथवा वाराणसी बस स्टेशन से सिगरा, रथयात्रा होते हुए दुगाकुंड पहुंचते हैं।

पाकिस्तान में आजादी का जश्न बलूचिस्तान प्रांत में कर्फ्यू जैसी स्थिति

एजेंसी

क्वेटा (बलूचिस्तान) पाकिस्तान : पाकिस्तान का बलूचिस्तान प्रांत मुल्क की आजादी के जश्न से कोसों दूर है। संघीय सरकार ने देश के राष्ट्रीय दिवस से पहले बलूचिस्तान में कड़े सुरक्षा उपाय लागू किए हैं। रात के समय सार्वजनिक परिवहन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। रेलगाड़ियों को रोक दिया गया है। मोबाइल इंटरनेट पर पाबंदी है। बलूचिस्तान के प्रमुख शहरों के प्रवेश और निकास द्वार बंद करा दिए गए हैं। पाकिस्तान की संघीय सरकार के इन कदमों से पूरे बलूचिस्तान में कर्फ्यू जैसी स्थिति है। बाशिंदों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ऑनलाइन समाचार आउटलेट द बलूचिस्तान पोस्ट ने आज अपनी खबर में मौजूदा सूरत-ए-हाल के दौरान लोगों को हो रही कठिनाई का जिक्र किया है। परिवहन विभाग के हवाले से कहा गया है कि बलूचिस्तान में शाम 5 बजे से सुबह 5 बजे तक सार्वजनिक परिवहन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। अधिकारियों ने चेतावनी दी गई है कि इस आदेश का उल्लंघन करने वाली कंपनियों के रूट परमिट रद्द कर दिए जाएंगे। यह प्रतिबंध राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ-साथ बलूचिस्तान के सभी शहरों और जिलों पर भी लागू है। क्वेटा, कराची, मकरान और

पाकिस्तान के कुछ हिस्सों के बीच हजारों लोग रोजाना सार्वजनिक परिवहन से यात्रा करते हैं। इन प्रतिबंधों के कारण कई लोग फंस गए हैं। बलूचिस्तान में अपर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाओं के कारण, इलाज के लिए कराची जाने वाले मरीजों को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इन प्रतिबंधों के विरोध में विरोध प्रदर्शन हुए हैं। क्वेटा से अंतरप्रांतीय रेल सेवाएं लगातार चौथे दिन भी स्थगित रहीं। पाकिस्तान रेलवे ने कहा है कि मस्तुंग के दश्त इलाके में जाफर एक्सप्रेस पर हुए बम हमले के बाद यह निलंबन 14 अगस्त तक जारी रहेगा। मार्च में इसी ट्रेन को बलूच लिबरेशन आर्मी ने हाईजैक किया था। इस दौरान पाकिस्तान के सुरक्षा बलों के कई जवान मारे गए थे। सड़क और रेल यात्रा प्रतिबंधित होने के कारण कई नागरिक हवाई यात्रा की ओर रुख कर रहे हैं। इस वजह से किराए में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। इस्लामाबाद का किराया जो आमतौर पर 18,000 से 20,000 रुपये होता है, बढ़कर 50,000 रुपये से अधिक हो गया है। फ्लाई जिन्नाह रोजाना उड़ानें संचालित करता है। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस हफ्ते में तीन से चार बार और सेरेन एयर हफ्ते में एक बार उड़ानें संचालित करती है। छह अगस्त से बलूचिस्तान के सभी 36 जिलों में 3जी और 4जी मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद हैं। यह ब्लैकआउट 31 अगस्त तक जारी रहने की उम्मीद है। बलूचिस्तान में पहले से ही देश का सबसे कमजोर ऑनलाइन बुनियादी ढांचा है। 60 प्रतिशत क्षेत्र में इंटरनेट की सुविधा नहीं है। लगभग 1.5 करोड़ निवासियों में से आधे से ज्यादा पूरी तरह से मोबाइल डेटा पर निर्भर हैं। फिक्स्ड लाइन इंटरनेट उपयोगकताओं की संख्या केवल लगभग 70,000 है। इस बंद का असर फ्रीलांसर, ऑनलाइन कारोबार करने वालों, फूड डिलीवरी करने वालों, विद्यार्थियों और व्यापारियों पर पड़ा है। मोबाइल बैंकिंग और ऑनलाइन भुगतान प्रणालियां ठप हो गई हैं। टेलीमेडिसिन सेवाएं भी बंद हैं। बलूचिस्तान मानवाधिकार आयोग ने इन प्रतिबंधों की निंदा करते हुए इन्हें नागरिक स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों का गंभीर उल्लंघन बताया है। बंदरगाह शहर ग्वादर में सुरक्षा चिंताओं और पाकिस्तान के राष्ट्रीय दिवस समारोह की तैयारियों के कारण पिछले तीन दिनों से सभी प्रवेश और निकास द्वार बंद हैं। सड़कें सुनसान हैं। यातायात बहुत कम है और निवासी अपने घरों में कैद हैं। इन प्रतिबंधों के बावजूद बलूचिस्तान के विभिन्न हिस्सों में सशस्त्र हमले जारी हैं। इनके निशाने पर पाकिस्तान के सुरक्षा बल, पुलिस, कथित तौर पर सरकार समर्थित स्थानीय सशस्त्र समूह (मौत के दस्ते), संचार प्रणालियां और रेलवे सेवाएं शामिल हैं। बसिमा इलाके में कल हुए एक हमले में पाकिस्तान की सेना के एक कैप्टन समेत आठ अन्य जवान मारे गए। क्वेटा में पुलिस और सरकारी दफ्तरों को बम हमलों का निशाना बनाया गया है। जियारत में हथियारबंद लोगों ने डिप्टी कमिश्नर और उनके बेटे का अपहरण कर लिया। जेहरी में पाकिस्तान के सुरक्षा बलों पर भी कई हमले हुए।

ताइवान के आसपास चीन की सैन्य हलचल तेज

एजेंसी

ताइपे (ताइवान) : ताइवान का स्वतंत्र राष्ट्र होना चीन को फूटी आंख नहीं सुहाता। उसकी हरचंद कोशिश है कि ताइवान चीन का हिस्सा बने। वह लंबे समय से इस कोशिश में लगा हुआ है। ताइवान के आसपास चीन के लड़ाकू विमान मंडराते रहते हैं। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ((एमएनडी) ने कहा कि आज सुबह उसके जल क्षेत्र में चीन की सैन्य गतिविधियां देखी गईं। एमएनडी ने एक्स पोस्ट में कहा कि आज सुबह 6:00 बजे (स्थानीय समय) तक उसके क्षेत्रीय जलक्षेत्र में चीन के आठ विमान और दो नौसैनिक जहाज आक्रामक मुद्रा में दिखे। यह उड़ानें मध्य रेखा को पार कर ताइवान के उत्तरी और दक्षिण-पश्चिमी रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश कर गईं। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि चीन की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। बढ़ी हुई सैन्य हलचल पर माकूल कार्रवाई की गई है। ताइपे टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने पश्चिमी देशों से ताइवान के साथ खड़े होने और द्वीपीय राष्ट्र के साथ अपनी आर्थिक साझेदारी को गहरा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इसकी जरूरत है, क्योंकि चीन, ताइवान पर अपना दबाव बढ़ा रहा है। इसके अलावा जापान की संसेतो पार्टी के संस्थापक और सांसद सोहेई कामिया ने कहा कि जापान को ताइवान का साथ देना चाहिए। कामिया ने कहा कि टोक्यो को इस बात के प्रति सचेत रहना चाहिए कि चीन जापान में कैसे घुसपैठ कर रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर पीड़ितों को किया नमन

एजेंसी

भोपाल : आज गुरुवार को विभाजन विभीषीका स्मृति दिवस है। देश में 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मरण दिवस मनाया जाता है। यह दिवस भारत के विभाजन के दौरान पीड़ित हुए लोगों और उनकी पीड़ाओं की याद में मनाया जाता है। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी जान गंवाने वाले लोगों को याद करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स के माध?यम से कहा विभाजन विभीषिका स?मृति दिवस पर उन सभी पुण्यात्माओं को सादर नमन करता हूं, जिन्होंने स्वतंत्रता प्राप्त होने पर भी अपना सब कुछ गंवाकर बँटवारे की विभीषिका झेली। उन्हें जन्मभूमि व कर्मभूमि हमेशा के लिए छोड़नी पड़ी। भयावह अनिश्चित यात्रा में लाखों लोगों को लूटा, मारा गया और हत्या कर दी गई।

मप्र: मुख्यमंत्री आज 83 लाख किसानों के खातों में ट्रांसफर करेंगे 1671 करोड़ रुपये

- मंडला में बलराम जयंती समारोह में शामिल होंगे मुख्यमंत्री, करोड़ों के विकास कार्यों की देंगे सौगात

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज (गुरुवार को) मंडला के आरडी कॉलेज में आयोजित कृष्ण भ्राता, कृषि देवता भगवान बलराम जयंती समारोह में शामिल होंगे और मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में प्रदेश के करीब 83 लाख किसानों के खातों में 1671 करोड़ रुपये की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित करेंगे। इसके साथ ही मुख्यमंत्री मंडला जिले को करोड़ों के विकास कार्यों की सौगात देंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मुख?यमंत्री डॉ. यादव दोपहर 2.40 बजे भोपाल से वायुयान द्वारा संक्षिप?त प्रवास पर डुमना विमानतल जबलपुर पहुंचेंगे और यहां से दोपहर 2.45 बजे हेलीकॉप?टर द्वारा मंडला प्रस?थान करेंगे तथा वहां स?थानीय कार्यक्रम में शामिल होने के बाद शाम 5.20 बजे हेलीकॉप्टर से पुनः डुमना विमानतल आएंगे। मुख?यमंत्री डॉ. यादव शाम 5.25 बजे डुमना विमानतल से वायुयान द्वारा भोपाल प्रस?थान करेंगे। मंडला में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव 226.12 करोड़ रुपये की लागत के कुल 24 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण करेंगे। इसमें 202.25 करोड़ रुपये के 9 कार्यों का भूमिपूजन एवं 23.87 करोड़ रुपये के 15 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ग्राम भीमडोंगरी विकासखंड मवई में 172 लाख रुपये की लागत के पुलिस जनमित्र सहयोग केन्द्र स्थापना कार्य, 387.71 लाख रुपये की लागत के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खजरी में 10 अतिरिक्त कक्ष निर्माण, 386.49 लाख रुपये की लागत के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अहमदपुर में 10 अतिरिक्त कक्ष निर्माण, 123.20 लाख रुपये की लागत के शासकीय हायरसेकेंडरी स्कूल दाढ़ीभानपुर में 3 लैब एवं 4 अतिरिक्त कक्षों का भवन निर्माण 641.74 लाख रुपये की लागत के लावाधार जलाशय का नहर सहित निर्माण 42.23 लाख रुपये की लागत के माध्यमिक शाला भवन निर्माण कार्य बसनी, 27.04 लाख रुपये की लागत के ग्राम पंचायत ग्वारा में मुक्तिधाम में बाउंड्रीवॉल एवं समतलीकरण कार्य, 33.08 लाख रुपये की लागत के ग्राम पंचायत किन्द्री सड़क एवं पुलिया निर्माण, 49.27 लाख रुपये की लागत के चुटका से चुटका टोला (कुंडा) मार्ग निर्माण, 199.78 लाख रुपये की लागत के तिलगांव से चंदेहरा बैगाटोला मार्ग निर्माण, 65 लाख रुपये लागत के उप स्वास्थ्य केन्द्र लावर का भवन निर्माण, 65 लाख रुपये की लागत के उप स्वास्थ्य केन्द्र बुदरा का भवन निर्माण, 65 लाख रुपये की लागत के उप स्वास्थ्य केन्द्र सलैया का भवन निर्माण, 65 लाख रुपये की लागत के उप स्वास्थ्य केन्द्र भालीवाड़ा का भवन निर्माण कार्य एवं 65 लाख रुपये की लागत के उपस्वास्थ्य केन्द्र जामगांव का भवन निर्माण कार्यों का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 398.01 लाख रुपये की लागत के मदनपुर नैझर मार्ग लम्बाई 4 किमी, 304.83 लाख रुपये की लागत के नकावल पहुंच मार्ग लम्बाई 4 किमी, 11234.17 लाख रुपये के घुटास-उमरिया महली-इलाही से घुघरी-चाबी मार्ग, 6822.78 लाख रुपये की लागत के कालपी-छिंदगांव-पिपरिया मार्ग निर्माण, 546.53 लाख रुपये की लागत के सहस्त्रधारा पहुंच मार्ग लम्बाई 4 किमी, 344 लाख रुपये की लागत के पीएम ऊषा परियोजना अंतर्गत अतिरिक्त कक्ष एवं उन्नयन कार्य, 500 लाख रुपये की लागत के जनजातीय सांस्कृतिक केन्द्र मंडला भवन निर्माण कार्य, 37.50 लाख रुपये की लागत के नवीन पंचायत भवन निर्माण सूरजपुरा और 37.50 लाख रुपये की लागत के नवीन पंचायत भवन तिलईपानी का भूमिपूजन करेंगे।

न्यूज IN ब्रीफ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान बलराम की जयंती हलछठ पर्व पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

भोपाल : देशभर में आज (गुरुवार को) अन्नदाता किसानों के अराध्यदेव भगवान बलराम की जयंती व हलछठ पर्व मनाया जा रहा है । इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी प्रदेश व देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से अपने शुभकामना संदेश में कहा कि श्री शेषनागजी के अवतार, कृषकों के आराध्य हलधर भगवान बलराम जी की जयंती हलषष्ठी की बधाई एवं शुभकामनाएं। पुत्र एवं परिवार के लिए मंगलकामनाएं करने वाली माताओं को नमन करता हूं। आपके स्नेह व समर्पण से ही परिवार और समाज को ऊर्जा मिलती है। आपकी मनोकामनाएं पूर्ण हों, यही प्रार्थना है।

अंतरराज्यीय शटरकटवा गैंग के दो शातिर गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण : बिहार में पूर्वी चंपारण जिला पुलिस ने झरोखर थाना क्षेत्र के आठ मुहान गांव में छापेमारी कर चोरी की मोबाइल बेचने के दौरान एक अंतरराज्यीय शटरकटवा गिरोह के सदस्य को गिरफ्तार किया है। जिसकी निशानदेही पर सीतामढ़ी से एक अन्य चोर की गिरफ्तारी की गई। पुलिस के मुताबिक उक्त चोरों ने 7 अगस्त को रांची के फंड मजेस्टिक गजेट्स प्राइवेट लिमिटेड शिवपुरी अपार्टमेंट हरपुर रोड रांची से शटर तोड़कर 30 लाख का एप्पल कंपनी का आईफोन चोरी किया था। इस घटना को लेकर रांची के कोतवाली थाने में कांड संख्या 195/25 दर्ज किया गया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उक्त चोरों की पहचान कर आठ मुहान गांव से चोरी का मोबाइल बेचने के दौरान एक चोर जावेद आलम को गिरफ्तार किया गया। जिसके निशानदेही पर सीतामढ़ी के सुप्पी थाना क्षेत्र से जीतन पासवान को गिरफ्तार किया गया।0 इन लोगों के पास से चोरी का दो मोबाइल फोन और घटना के समय पहने गए चप्पल,टोपी और बैग बरामद किया गया है। गिरफ्तार जीतन के विरुद्ध सीतामढ़ी के मेजरगंज,सुप्पी थाने के अलावा जमशेदपुर व रांची में भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। जबकि जावेद के विरूद्ध मोतिहारी के झरोखर,सीतामढी के सुप्पी व झारखंड के कई थानो में मामला दर्ज है। पुलिस गिरफ्तार शातिरो से पूछताछ कर इस गैंग के अन्य सदस्यो की तलाश में जुटी है। टीम में सिकरहना डीएसपी उदय शंकर,झरोखर थानाध्यक्ष असलम अंसारी , सब इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार व टेक्निकल सेल की टीम सहित सशस्त्र जवान शामिल थे।

वर्षा के कारण लखनऊ के सभी विद्यालयों में आज शिक्षण कार्य स्थगित रहेगा

लखनऊ : विगत कुछ घण्टों से खराब मौसम एवं अतिवृष्टि से जलभराव के कारण आज 14 अगस्त को प्री–प्राइमरी से लेकर कक्षा 12 तक लखनऊ के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों में शिक्षण कार्य स्थगित रहेगा। लखनऊ के जिलाधिकारी विशाख ने उक्त आदेश का कड़ाई से अनुपालन करने का निर्देश दिया है। लखनऊ में बुधवार रात से बारिश शुरू हुई और रूक–रूक कर बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार भारी वर्षा का पूवार्नुमान है।

पत्रकार के घर से चोरी गए आभूषण को पुलिस ने किया बरामद

पूर्वी चंपारण : मोतिहारी के वरीय पत्रकार सुदिष्ट नारायण ठाकुर के श्रीकृष्णनगर आवास से चोरी गए आभूषणों को पुलिस ने रघुनाथपुर से बरामद कर लिया है। अपर थानाध्यक्ष चंदन कुमार की सक्रियता से न केवल इस चोरी मामले से जुड़े चोर पकड़े गए बल्कि चोरी गए सामान भी बरामद कर लिया गया है। नगर थाना के अपर थानाध्यक्ष चंदन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रघुनाथपुर में छापेमारी कर चोरी गए गहने एवं नकदी को बरामद कर लिया। पुलिस ने रविवार की देर रात इस घटना से जुड़े चोरों को गिरफ्तार कर लिया था। इस दौरान चोरी गया मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया था। इस कार्रवाई के दौरान चोरों से आभूषण खरीदने वाला पवन कुमार फरार हो गया था। पुलिस की दबिश एवं लगातार कार्रवाई से चोरी गए गहने भी बरामद कर लिया गया है।पकड़े गये चोरो में कई नाबालिग है,जिसने पूछताछ में खुलासा किया है,कि शहर में क?ई सफेदपोश हैं, जो छोटे बच्चों को नशे की लत डालकर चोरी करवाते हैं। इन नाबालिग बच्चों द्वारा चुराए ग?ए गहने को कौड़ी के भाव खरीदते हैं। अगर नशेड़ी बच्चों को पुलिस पकड़ती है,तो उसके जमानत का प्रबंध भी करते हैं। फिलहाल पुलिस इन सफेदपोशो के नाम का खुलासा करने से बच रही है,लेकिन बताया जा रहा है,कि यह सफेदपोश पुलिस के रडार पर है।इस चोरी मामले के उद्भेदन करने में सक्रिय रहे पुलिस पदाधिकारी चंदन कुमार की जमकर सराहना हो रही है। शहर के लोगों का कहना है कि पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के अपराध के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान का ही नतीजा है कि इस चोरी मामले का उद्भेदन हो पाया है। इस घटना को लेकर पुलिस उपाधीक्षक दिलीप कुमार ने भी अपनी गंभीरता दिखाई है।

मप्र: स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर में आज पीएमएवाई-जी इंटर्नशिप का समापन

भोपाल : प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत हुई ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप का समापन समारोह और पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन आज (गुरुवार को) स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) भोपाल में होगा। दो महीने चली इस इंटर्नशिप में प्रदेश के 55 जिलों और 224 ब्लॉकों में 418 प्रशिक्षुओं ने स्थानीय घर बनाने की तकनीक, सामग्री और डिजाइन से जुड़े दस्तावेज तैयार किए। इसमें 18 प्रशिक्षकों और 2 शोध सहयोगियों ने मार्गदर्शन दिया। इस दौरान 6 हजार से ज्यादा अलग-अलग तरह के घरों की जानकारी जुटाई गई। जनसम्पर्क अधिकारी शिवम शुक्ला ने बताया कि समापन समारोह में 300 से ज्यादा प्रशिक्षु भोपाल में मौजूद रहेंगे और करीब 100 प्रशिक्षु ऑनलाइन जुड़ेंगे। कार्यक्रम में प्रशिक्षु और पीएमएवाई-ग्रामीण मिशन निदेशालय के अधिकारी अपने अनुभव और सीख साझा करेंगे। एसपीए भोपाल को मध्य प्रदेश सरकार ने पीएमएवाई-ग्रामीण मिशन निदेशालय के अनुसंधान सलाहकार विंग के रूप में चुना है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) भारत सरकार की एक बड़ी योजना है, जिसके तहत गांवों में गरीब परिवारों को घर उपलब्ध कराए जाते हैं।

भोपाल: विशाल जल तिरंगा यात्रा आज, बड़े तालाब की लहरों के बीच दिखेगा देशभक्ति का अद्भुत रंग

भोपाल : मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के बड़े तालाब की लहरों की बीच आज (गुरुवार को) देशभक्ति का अद्भुत रंग देखने को मिलेगा। दरअसल, हर घर तिरंगा अभियान के तहत मध्य प्रदेश खेल विभाग द्वारा भोपाल के बड़े तालाब में देशभक्ति से ओत-प्रोत विशाल जल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन सुबह 9:30 बजे प्रारंभ होगा। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग विशेष अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। मध्य प्रदेश खेल विभाग ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस अनोखे आयोजन का हिस्सा बनकर देशभक्ति की भावना को और प्रगाढ़ करें।

झारखंड वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

देशभक्ति और एकता के साथ आगे बढ़ें

निवेदक
के.पी. यादव
डॉ. प्रिंसिपल
एस.पी. कॉलेज दुमका

अपने शौर्य, साहस और सौंदर्य का अद्भुत परिदृश्य प्रस्तुत करता समृद्धशाली राष्ट्र भारत के
स्वतंत्रता की 79 वें पावन दिवस के अवसर पर समस्त देशवासी को मेरी ओर से बहुत-बहुत हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक
गोपाल चंद्र गण (दादा)
वरिष्ठ भाजपाई सह समाजसेवी
नीचे बाजार जरमुंडी(दुमका)

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

युगल सिंह
जिला उपाध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी, चतरा

Delhi Public School, Pitiz
(Managed by DPS Educational Society, New Delhi)
(Run under Sri rameshwaram Educational Trust)

विशेष सुविधाएं
- योग्य एवं अनुभवी शिक्षक
- नवीनतम शिक्षा पद्धति
- रचनात्मक लेखन
- अंग्रेजी माध्यम एवं बोलचाल
- डिजीटल क्लासरूम
- लड़कों के लिए छात्रावास की सुविधा
- परिवहन, कैन्टीन, शुद्ध जल एवं सीसीटीवी की व्यवस्था
- विज्ञान प्रयोगशाला, संगणक कक्ष
- पुस्तकालय की व्यवस्था
- खेलकुद की व्वस्था
- प्राथमिक उपचार एवं चिकित्सक की सुविधा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

Rameshwar Yadav
Director

Email: info@dpspitiz.com | Website: www.dpspitiz.com
Vill. - Gulli, Post - Pitiz, block itkhori, Dist. - Chatra (Jharkhand) 825408
Mob.: 9835318098,9431537064, 9572638735

विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक राष्ट्र भारत के
स्वतंत्रता की 79 वें पावन दिवस के अवसर पर दुमका जिला प्रशासन एवं आम नागरिकों को मेरी ओर से ढेर सारी शुभकामनाएं
झारखंडी मानोत जोहार.

निवेदक
रामजीत तुरी
उपायुक्त का निजी सहायक
उपायुक्त कार्यालय, दुमका (झारखंड)

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

संदीप कुमार सुमन
अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी
चतरा

जीवंत संसदीय लोकतंत्र वाला राष्ट्र भारत के
स्वतंत्रता की 79 वें पावन दिवस के अवसर पर जरमुंडी प्रखंड के तमाम कृषकों एवं आम जनता को मेरी ओर से ढेर सारी शुभकामनाएं

निवेदक
मिथिलेश कुमार
प्रखंड तकनीकी प्रबंधक(B.T.M)
जरमुंडी(दुमका)

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

अमित सहाय
समाजसेवी
युवा व्यवसाई, चतरा

आरबी हॉस्पिटल एंड डायग्नोस्टिक सेंटर, चतरा
हड्डी स्पेशलिस्ट अस्पताल
आयुष्मान योजना द्वारा सभी प्रकार का ईलाज अब हुआ संभव आपके शहर चतरा में
आयुष्मान योजना के द्वारा 5 लाख तक का ईलाज बिल्कुल मुफ्त

GS Raju/Director Binay Keshri/Director

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सभी प्रकार के ऑपरेशन
अपेंडिक्स, हर्निया, हाइड्रोसिल, गोलब्लाडर पथरी एवं हड्डी का सभी प्रकार का ऑपरेशन एवं प्लास्टर आयुष्मान योजना के द्वारा बिल्कुल मुफ्त किया जाता है।
सभी प्रकार के ईलाज
जेनरल मेडिसीन : बुखार, लकवा, दम्मा, बीपी एवं शुगर
आयुष्मान योजना के द्वारा बिल्कुल मुफ्त ईलाज किया जाता है।
TOLL FREE NO.
06541350111

Helpline No:
8541099664, 7677976846, 7870362249
OLD COURT ROAD, NEAR NAGAR BHAWAN, CHATRA
Raju-7870362249, Binay- 9113128373

समुद्र के उत्तर और हिमालय के दक्षिण का देश भारत के
स्वतंत्रता की 79 वें पावन दिवस के अवसर पर समस्त देशवासी को मेरी ओर से ढेर सारी शुभकामनाएं

निवेदक
डॉ. सुनील कुमार सिंह
प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जरमुंडी (दुमका)

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

ब्रजकिशोर उर्फ बिरजू तिवारी
भाजपा नेता सह जिला परिषद
उपाध्यक्ष, चतरा